संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 267
पृष्ठ 8
बुधवार
17 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों के मौसम में वरदान...

विचार- पंजाब में 2027 के चुनावों से पहले...

खेल- वैभव वाले विवाद के बाद भारतीय...

प्रधानमंत्री मोदी ने नया भारत निर्माण के 12 साल पूरे होने पे दोहराया नयी पीढ़ी के इंफ्रास्ट्रक्चर का विजन

नयी दिल्ली,एजेंसी। नया भारत निर्माण के 12 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पिछले दशक में देशभर में रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ है। साथ ही, उन्होंने विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए अगली पीढ़ी का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने नया भारत निर्माण के 12 साल हैशटैग के साथ एक्स पर लिखा, पिछले एक दशक में इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का रिकॉर्ड स्तर पर हुआ है। विकसित भारत के अपने विजन को साकार करने के लिए देश के लोगों के लिए अगली पीढ़ी का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने मेरी सरकार का एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें पिछले 12 वर्षों में देश की इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी उपलब्धियों को बताया गया है।

मेरी सरकार की पोस्ट में कहा गया, किसी देश की ताकत लोगों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने की उसकी क्षमता से झलकती है। पिछले 12 वर्षों में भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बदलाव ने आवाजाही को तेज किया है, लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया है और विकास के नए रास्ते खोले हैं। बेहतर कनेक्टिविटी न केवल दूरियों को कम कर रही है बल्कि अवसरों का विस्तार भी कर रही है और एक अधिक समृद्ध भारत की नींव को मजबूत कर रही है। मेरी सरकार एक्स पोस्ट के अनुसार, पिछले 12 सालों में भारत के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। नेशनल हाईवे की लंबाई 91,287 किमी से बढ़कर 1,46,572 किमी हो गई है, जबकि हाईवे बनाने की रफ्तार लगभग तीन गुना बढ़कर 12 किमी प्रति दिन से 34 किमी प्रति दिन हो गई है। इस दौरान 55,000 किमी से ज्यादा हाईवे जोड़े गए हैं, जिससे पूरे देश में आवाजाही और आर्थिक गतिविधियों में काफी तेजी आई है। एक अन्य पोस्ट में भारत के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से हो रहे विस्तार पर भी जोर दिया गया। इसमें बताया गया है, ब्रॉड गेज का इलेक्ट्रिफिकेशन 2014 में 20 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 99.6 प्रतिशत हो गया है, जिससे भारत दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिफाइड रेलवे नेटवर्क में से एक बन गया है। कुल 69,873 रूट किलोमीटर रेल ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया है, जबकि 25 राज्यों ने 100 प्रतिशत रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन हासिल कर लिया है। इसके अलावा, 1,330 से ज्यादा अमृत भारत स्टेशनों को विकसित और आधुनिक बनाया जा रहा है। मेरी सरकार ने यह भी बताया कि वंदे भारत ट्रेनों ने बेहतर स्पीड, आराम और कुशलता के साथ रेल यात्रा को बदल दिया है। अभी, 274 जिलों में 164 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चल रही हैं। वित्त वर्ष 2026 के दौरान इन सेवाओं में लगभग चार करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो सालाना 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों ने लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को और मजबूत किया है। इनमें पूरी ऑक्यूपेंसी (सीटें भरने की दर) देखी गई और सेवा शुरू होने के सिर्फ तीन महीनों के भीतर 1.2 लाख से ज्यादा यात्रियों ने यात्रा की। शहरी परिवहन में भी बड़ा बदलाव आया है। भारत का मेट्रो नेटवर्क 2014 में 248 किलोमीटर से बढ़कर 2026 में 1,155 किलोमीटर हो गया है। मेट्रो सेवाएं, जो 2014 में सिर्फ पांच शहरों में उपलब्ध थीं, अब 26 शहरों में चल रही हैं। रोजाना यात्रियों की संख्या 28 लाख से बढ़कर एक करोड़ से ज्यादा हो गई है, जिससे शहरी आवाजाही में काफी सुधार हुआ है। पोस्ट में उड़ान योजना की उपलब्धियों पर भी जोर दिया गया, जिसने हवाई यात्रा को ज्यादा आसान और सस्ता बना दिया है। चालू एयरपोर्ट्स की संख्या 74 से बढ़कर 164 हो गई है।

आधार कार्ड का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के लिए हो

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्यों से जवाब मांगा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता, मूल निवास और पते के सबूत के तौर पर गलत तरीके से किया जा रहा है। याचिका में मांग की गई है कि इसके इस्तेमाल को सिर्फ पहचान की पुष्टि (आइडेंटिटी वेरिफिकेशन) तक ही सीमित रखने के निर्देश दिए जाएं। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया। याचिका में केंद्र, राज्यों और चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के सबूत के तौर पर हो, न कि नागरिकता, मूल निवास, पते और जन्म तिथि के सबूत के तौर पर। आधार का इस्तेमाल स्कूलों में एडमिशन, संपत्ति खरीदने, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने जैसी प्रक्रियाओं में उम्र, नागरिकता और निवास के प्रमाण के रूप में किया जा रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि इसी वजह से घुसपैठिए और अवैध प्रवासी भी आधार के आधार पर अन्य दस्तावेज हासिल कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने वोटर रजिस्ट्रेशन वेरिफिकेश प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। याचिका के अनुसार फॉर्म-6 के तहत दस्तावेजों की जांच पर्याप्त नहीं है और इससे ऐसे लोगों के नाम भी मतदाता सूची में शामिल हो सकते हैं जिनके पास जरूरी वैध दस्तावेज नहीं हैं। याचिका में चुनावी प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले सत्यापन ढांचे में व्यापक सुधार की मांग की गई है। इसके साथ ही एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति बनाए जाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और फॉरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हों। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- आधार वैध, लेकिन सीमाओं के साथ

सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 4रू1 के बहुमत से आधार अधिनियम को संवैधानिक माना, लेकिन कुछ प्रावधान रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा बैंक खाते से, मोबाइल सिम से आधार लिंक करना अनिवार्य नहीं। स्कूल एडमिशन के लिए आधार अनिवार्य नहीं। लेकिन सरकारी सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं में आधार का उपयोग वैध है।

मुझ पर हमले के पीछे आरएसएस के लोग थे, दीपके के आरोप से राजनीतिक हलकों में हलचल

नागपुर,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एक दिन पहले उन पर हुए हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ लोग थे, साथ ही उन्होंने दावा किया कि यह हमला असली मुद्दे से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में सीजेपी के संविधान चौक पर प्रदर्शन से पहले दीपके मंगलवार सुबह नागपुर हवाई अड्डे पहुंचे। इससे पहले जयपुर में सोमवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने दीपके के साथ कथित तौर पर मारपीट की। इस घटना के सिलसिले में दो युवकों को हिरासत में लिया गया है। यह पूछे जाने पर कि वह इस हमले के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं, दीपके ने आरोप लगाया, वहां आरएसएस के कुछ लोग थे और इसमें कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है तो इस तरह की घटनाएं होती हैं। आरएसएस से संबंध होने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दावों के बारे में पूछे जाने पर दीपके ने कहा, तो क्या इसीलिए उन्होंने कल मुझ पर हमला किया? उन्होंने दोहराया कि उन पर हमला असली मुद्दे से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास था। दीपके ने कहा, हम अपने मुद्दों से नहीं भटकेंगे। जितना चाहो हम पर हमला कर लो। हम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे और अपने मुख्य मुद्दे से नहीं हटेंगे, जो एक करोड़ से अधिक छात्रों के साथ हो रहे अन्याय से जुड़ा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, इस तरह के हमले होते रहेंगे, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। हम महात्मा गांधी और आंबेडकर के मार्ग पर चलते हैं। यह हमारा सत्याग्रह है और हम शांतिपूर्वक आगे बढ़ते रहेंगे।

कश्मीर में मुहर्रम जुलूस को लेकर महबूबा मुफ्ती की प्रशासन से खास अपील

श्रीनगर,एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर प्रशासन से घाटी में मुहर्रम के जुलूस निकालने की अनुमति देने और ईरान के घटनाक्रमों को लेकर प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किये गये युवाओं को रिहा करने की मंगलवार को अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बयान में कहा कि धार्मिक जुलूस इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की भावनाओं और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करते हुए इन आयोजनों को सुचारु रूप से आयोजित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इस्लामी नववर्ष का पहला महीना मुहर्रम जम्मू कश्मीर में बुधवार से शुरू होगा और इसके 10वें दिन, 26 जून को आशूरा के जुलूस निकाले जाएंगे।

बार-बार पेपर लीक से नाराज प्रियंका गांधी, बोलीं

छात्रों और उनके परिवारों की मुश्किलों को समझें

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने से प्रभावित छात्रों के प्रति एकजुटता जताई और सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अपील की कि वे छात्रों और उनके परिवारों की मुश्किलों को समझें। 16 जून को इस मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी, जिनकी सार्वजनिक जिम्मेदारी है, हमें छात्रों के साथ खड़ा होना चाहिए और यह समझना चाहिए कि वे किस तरह की मुश्किलों और तकलीफों से गुजरे हैं। हर पेपर लीक हो जाता है। उनके माता-पिता उनके लिए कर्ज ले रहे हैं। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि यह समस्या अलग-थलग नहीं है, बल्कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या का संकेत है जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या है, और हमें इसे मिलकर हल करना चाहिए। पेपर लीक कोई एक बार की समस्या नहीं

हैय यह बनी हुई है। हमें बदलाव लाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की जरूरत पर जोर दिया, ताकि छात्रों का भरोसा बहाल हो सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि लगातार हो रही अनियमितताओं की वजह से उनकी मेहनत बेकार न जाए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, युवाओं से जुड़े मुद्दों और कथित परीक्षा घोटालों के खिलाफ कांग्रेस के अभियान के तहत, पूरे भारत में बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे।

इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने घोषणा की कि आगे के कार्यक्रम 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में छात्र, नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार, युवा संगठन और शिक्षक एक साथ आएंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी बड़े छात्र सम्मेलनों की एक सीरीज करेंगे, जिसकी शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी।

17 दिन बाद सामने आए मजीठिया के तीखे तेवर

चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब पुलिस की रडार से 17 दिन तक दूर (अंडरग्राउंड) रहने के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया सामने आ गए हैं। अमृतसर की एक अदालत से एफआईआर नंबर 91 के मामले में अग्रिम जमानत मिलने के बाद मजीठिया ने अपना पहला वीडियो संदेश जारी किया है। इस वीडियो में उनके तेवर पहले जैसे ही आक्रामक नजर आए। उन्होंने सीधे तौर पर पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान को निशाने पर लेते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा, रंगा-बिल्ला को कह दो, टाइगर अभी जिंदा है, मरा नहीं है। मजीठिया ने अपने वीडियो संदेश की शुरुआत गुरु साहिब का शुकराना करते हुए की। उन्होंने अदालत, अपनी लीगल टीम और मुश्किल समय में साथ खड़े रहे समर्थकों का आभार जताया। मजीठिया ने अदालत के फैसले को सच्चाई की जीत बताते हुए कहा, न्यायपालिका का बहुत-बहुत धन्यवाद जिसने यह लंबी बहस सुनी और अपना फैसला सुनाया। मेरे जैसे कई आएंगे और कई चले जाएंगे, लेकिन जीत हमेशा सच की ही होगी।

अमित शाह कौन-सा खेल खेल रहे थे?' परिसीमन पर कांग्रेस का सवाल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल किया है कि लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि संबंधी प्रस्ताव को संसद में औपचारिक रूप से क्यों नहीं लाया गया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के हालिया बयान के संदर्भ में उठाया है। रमेश ने दावा किया कि 16 अप्रैल, 2026 को संसद में विचाराधीन संविधान संशोधन विधेयक पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने एक संशोधन प्रस्तावित किया था। इस संशोधन में लोकसभा में प्रत्येक राज्य की मौजूदा सीटों

की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान स्पष्ट रूप से जोड़ने की मांग की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए की प्रमुख सहयोगी पार्टी की स्पष्ट मांग के बावजूद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस संशोधन को सदन में पेश नहीं किया। कांग्रेस नेता ने साफ किया कि मुद्दा विपक्ष के समर्थन या विरोध का नहीं है, बल्कि यह है कि सरकार ने अपने ही सहयोगी दल की इस महत्वपूर्ण मांग को विधेयक में शामिल क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में लोकसभा सीटों में वृद्धि के पक्ष में थी, तो प्रस्ताव को संसद के समक्ष रखा जाना चाहिए था। रमेश ने अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब भी यह सवाल बना हुआ है कि गृह मंत्री आखिर "कौन-सा खेल" खेल रहे थे। उन्होंने शाह को "स्वयंभू चाणक्य" बताते हुए दावा किया कि उनका राजनीतिक आकलन बाद की घटनाओं में "पूरी तरह बेनकाब" हो गया है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही नायडू ने विपक्ष की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा था कि परिसीमन विधेयक को 50 प्रतिशत सीट वृद्धि के प्रावधान के साथ दोबारा लाया जाएगा। इस घटनाक्रम ने देश में परिसीमन को लेकर चल रही बहस को फिर से तेज कर दिया है। दक्षिण भारत के कई दल अब यह स्पष्टता चाहते हैं कि भविष्य में संसदीय प्रतिनिधित्व के पुनर्निर्धारण का आधार क्या होगा और राज्यों के हितों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी।

सेमीकंडक्टर हब बनाने की पहल, नायडू ने निवेशकों को दिया न्योता

अमरावती आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों को राज्य में निवेश के अवसर तलाशने का निमंत्रण दिया और आंध्र प्रदेश को भारत के सबसे निवेश-अनुकूल गंतव्यों में से एक बताया। सिंगापुर में सेमिकॉन इकोसिस्टम राउंडटेबल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि निवेश और औद्योगिक विकास को सुगम बनाने के लिए आंध्र प्रदेश स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस दृष्टिकोण अपनाता है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नायडू ने कहा, यह निवेशकों के लिए आंध्र प्रदेश में अवसरों का पता लगाने का सही समय है। मैं उद्योगपतियों को अगले 30 दिनों के भीतर राज्य की यात्रा करने और उपलब्ध नीतियों तथा अवसरों का आकलन करने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर निवेश के लिए सबसे सुरक्षित गंतव्यों में से एक है। आंध्र प्रदेश निवेशक-अनुकूल नीतियों और त्वरित मंजूरी प्रक्रिया के जरिये उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करता है। राज्य में सेमीकंडक्टर विनिर्माण की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रायलसीमा क्षेत्र में जल्द ही एक सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई स्थापित की जाएगी।

जब हमारा समय आएगा, तो दिखाएंगे कि पार्टियां कैसे बंटती हैं', शिवसेना (यूबीटी) की टूट पर बोले राउत

नई दिल्ली,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अपनी पार्टी में नए विभाजन खबरों पर एक बयान दिया हैं। उन्होंने कहा कि हमारा दिन जब आएगा, हम दिखाएंगे पार्टी कैसे तोड़ी जाती है। राज्यसभा सांसद राउत ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि शिवसेना (यूबीटी) के कुछ लोकसभा सांसद सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। कोई संकट नहीं है। अगर कोई संकट आता है, तो हम उससे निपटेंगे।' राउत ने कहा कि उनकी पार्टी की 60 साल पुरानी विरासत है। विभिन्न मुद्दों के लिए आंदोलन चलाने का उसका लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने अतीत में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित है। उन्होंने कहा, विधायक और सांसद आते हैं और चले जाते हैं लेकिन पार्टी बनी रहती है। हमारा दिन जब आएगा, हम दिखाएंगे पार्टी कैसे तोड़ी जाता है (जब हमारे दिन आएंगे तो हम दिखाएंगे कि पार्टियां कैसे विभाजित होती हैं)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय देशमुख की प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव से मुलाकात की खबरों पर राउत ने कहा कि मुलाकात की गलत तस्वीर पेश की जा रही है। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि सभी सांसद पार्टी के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा सांसद अनिल देसाई ने भी इस सुझाव को खारिज कर दिया कि उनके कुछ सहयोगी एक अलग समूह बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। उद्धव ठाकरे जी ने पिछले डेढ़ साल में कई बैठकें आयोजित की हैं। सभी (सांसदों) ने उनमें भाग लिया है।

सपा ने की एमएलसी चुनाव की तैयारी तेज

प्रयागराज। आगामी स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। फूलपुर में आयोजित पार्टी की बैठक में नेताओं ने बूथ कमेटियों के गठन, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति पर मंथन किया।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मानसिंह यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल यादव मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ सपा नेता वकार अहमद ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। मौके पर आशुतोष तिवारी, राजकुमार पटेल, चुन्नीलाल पासी, राम सुमेर पाल, शकील इस्माइल, राम सुमेर पाल और महाबली यादव आदि रहे।

पुरानी नियमावली से विज्ञापन जारी करने की मांग पर धरना

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी का विज्ञापन पुरानी नियमावली के तहत जारी करने की मांग को लेकर पांचवें दिन भी युवा मंच के बैनर तले अभ्यर्थियों का धरना पत्थर गिरजाघर के पास जारी रहा। इस दौरान धरना स्थल पर शिक्षा निदेशालय के अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), शिक्षा सेवा चयन आयोग के उप सचिव सहित प्रशासनिक अफसरों की मौजूदगी में वार्ता हुई।

इस दौरान उप सचिव संजय सिंह ने कहा कि आयोग योग्यता निर्धारित नहीं करता है। शिक्षा निदेशालय की ओर से जो भी दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे, उसी आधार पर विज्ञापन जारी किया जाएगा। अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) ने कहा कि

शासन को इस मुद्दे से अवगत कराया जाएगा। जो फैसला छात्रों के हित में लिया जाएगा। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह में छात्रों के हित में निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता भर्ती में बिना बीएड डिग्री धारकों को शामिल करने, प्राविधिक कला की योग्यता को पुनः नियमावली में शामिल करने सहित मुद्दों पर विचार करने की जरूरत है। नियमों में बदलाव से पांच लाख से अधिक नौजवान प्रभावित हो रहे हैं।

इस अवसर पर अशोक कुमार सिंह, अमित पांडेय, विनय मौर्य, शीतला प्रसाद ओझा, अखिलेश वर्मा, सुशोभित चौरसिया, रिंकी चौहान, रीता केशरवानी, ममता पटेल, अनी यादव, कपिल देव वर्मा, राम नरेश, योगेंद्र पाल, विपिन पाल मौजूद रहे।

बाइक सवार बदमाशों ने दंपती से छीना बैग, जेवरात लेकर भागे

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के दुबाही नहर पटरी के पास रविवार रात बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने दंपती से करीब तीन लाख रुपये के जेवर, मोबाइल फोन और नकदी से भरा बैग छीन लिया। दंपती ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रतापगढ़ के पूर्वी सहोदर गांव निवासी रंजना अपने पति राजकुमार के साथ मायके से ससुराल लौट रही थीं। रात करीब साढ़े आठ बजे दुबाही नहर पटरी के पास दो बाइकसवार बदमाशों ने उन्हें रोका। बदमाशों ने महिला के हाथ से बैग छीनने का प्रयास किया। छीनाझपटी में बैग का फीता टूट गया और बदमाश बैग लेकर भाग गए। बैग में सोने की चेन, अंगूठी, झुमके, पायल, मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये नकद थे। घटना के बाद दंपती ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों से बदमाशों की तलाश जारी है। मऊआइमा इंस्पेक्टर राम मूर्ति यादव ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के रसार गांव में सोमवार को डिवाइडर से टकराने पर बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रावतपुर गांव निवासी 40 वर्षीय राकेश सिंह गोपीगंज से रेलवे का टिकट लेकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। रसार गांव के समीप सर्विस रोड पर उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि राकेश सिंह सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। इससे उनकी घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक के भाई सुनील सिंह ने बताया कि राकेश सिंह पांच दिन पहले अहमदाबाद से गांव आए थे। सोमवार सुबह वह गोपीगंज रेलवे स्टेशन से टिकट लेने गए थे और वहां से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि राकेश परिवार के बड़े भाई थे। उनके परिवार में पत्नी मीरा सिंह के अलावा तीन बच्चे शिखा, शनि और कलश हैं। घटना की सूचना मिलते ही पत्नी मीरा सिंह और अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए।

सवारी से भरी ऑटो ट्रक से टकराई, 7 घायल

प्रयागराज। प्रयागराज–प्रतापगढ़ फोरलेन पर जोगापुर सब्जी मंडी के पास रविवार देर रात एक ऑटो खड़े क्रेशर ट्रक से टकरा गई। हादसे में ऑटो चालक सहित सात लोग घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर है। चीख–पुकार सुनकर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। सभी को एंबुलेंस और निजी वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊआइमा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में ऑटो चालक अमित कुमार मोदनवाल, फिरदौश बानो (52), रिजवाना बानो (50), अजल्फा बानो (14), इमराना (5), अदिना बानो (12) और हिफ्जान बानो (15) शामिल हैं।

ट्रिपल मर्डर: एक ही परिवार के तीन बुजुर्गों का कत्ल; धारदार हथियार से काट डाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैल गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। पड़ोसी युवक पर हत्या का आरोप है।

यूपी के प्रयागराज जिले में एक बार फिर सामूहिक हत्याकांड की घटना ने सनसनी फैला दी है। यमुनानगर के मेजा थाना इलाके के कुकुरकटवा गांव में एक ही परिवार के तीन बुजुर्ग सदस्यों की देर रात नृशंस हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह जब घटना का पता चला तो ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और मातम पसर गया। इस दौरान दोषी पाए जाने पर रामनगर पुलिस चौकी के दरोगा राम विलाश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। घटना के खुलासे के लिए एसओजी, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस को लगाया गया है। हालांकि मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात सोमवार देर रात करीब 1 बजकर 30 मिनट के आसपास हुई। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं, जो एक ही परिवार के थे। प्रथम दृष्टया, बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला किया और फिर पीट–पीट कर हत्या की। घटनास्थल की स्थिति से पता चला कि पीड़ितों को दौड़ा–दौड़ा कर मारा गया था।

घटना की सूचना मिलते ही प्रयागराज पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन–फानन पुलिस की टीम, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची और गहन छानबीन शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीनों बुजुर्गों की सोते वक्त हत्या की गई। मृतकों की पहचान अमरावती देवी पत्नी नींबूलाल (65), इंद्रावती देवी पत्नी दूधनाथ (62) और श्याम लाल पुत्र गुलजार (65) के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों के शव उनके घर से लगभग 20 मीटर की दूरी पर मिले हैं। इस भयावह घटना ने कुकुरकटवा गांव को झकझोर कर रख दिया है।

मेजा के नीबी (कुकुरकटवा) गांव के श्याम लाल गुप्ता उर्फ कल्लू गुप्ता (65) पांच भाई में सबसे बड़े थे। जिसमें दो भाई दूधनाथ और मंजेश की पहले ही मौत हो चुकी है। श्याम लाल और उनकी पत्नी फूलकली (जो विक्षिप्त है), नेब्बू लाल की पत्नी अमरावती देवी(55) और दिवंगत दूधनाथ की पत्नी इन्द्रावती देवी (60) घर पर रहते थे।

सोमवार आधी रात बाद तीन–चार की संख्या में धारदार हथियार लेकर आए लोगों ने सो रहे लोगों पर हमला बोल दिया। इस दौरान सभी लोगों ने जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की लेकिन पीट–पीटकर श्यामलाल गुप्ता, अमरावती देवी और इन्द्रावती देवी को मार डाला गया। वहीं, मृतक श्यामलाल गुप्ता की पत्नी फूलकली को खरोंच तक नहीं आई है।

परिवार का आरोप और धमकी

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों के परिजनों ने पुलिस को अहम जानकारी दी है। उन्होंने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, आरोपी ने करीब एक सप्ताह पहले परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी। यह धमकी किसी पुरानी रंजिश के चलते दी गई थी। पुलिस अब इस पहलू पर गहराई से जांच कर रही है।

मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। मृतक मंजेश के परिजनों के मुताबिक, गांव का ही हिमांशु यादव जबरी उसकी बेटी प्रिया गुप्ता से शादी करना चाह रहा था। घर के लोग उसकी शादी नहीं होने दे रहे थे। इसलिए वह पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रखा था। आरोप है कि हिमांशु ने अपने साथियों संग घटना अंजाम दिया है। मामले में पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी हुई है।

पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है। घटनास्थल पर पहुंचे प्रयागराज एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजय पाल शर्मा ने स्थिति का जायजा लिया और जांच अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। फील्ड यूनिट, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर मौजूद रहकर सबूत जुटाने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

रानीमंडी, बैदन टोला समेत कई मोहल्लों में 17 घंटे गुल रही बत्ती

प्रयागराज। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली घंटों कटौती और तकनीकी खामियों ने शहरियों का जीना मुहाल कर दिया है। पुराने शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रानीमंडी, बैदन टोला समेत छह मोहल्लों में रविवार की रात गुल बत्ती 17 घंटे बाद आई। कहीं केबल फॉल्ट, ट्रांसफॉर्मरों में खराबी के साथ फीडर ट्रिप होने का सिलसिला बना रहा।

शहर के रानीमंडी, बैदन टोला, चकइया नीम, गणेश का हाता और समदाबाद समेत कई क्षेत्रों में रविवार रात करीब नौ बजे से सोमवार दोपहर 2रू30 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। इसके बाद भी बिजली का आना–जाना जारी रहा। लोगों को किसी तरह की राहत नहीं मिल सकी। पूरी रात और दिनभर बिजली न रहने से आमजन का जीवन प्रभावित हुआ। बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कल्याणी देवी, दरियाबाद, कटहरा सहित आसपास के क्षेत्रों में रविवार रात से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। स्थानीय लोगों के अनुसार रविवार रात करीब 12 बजे गुल हुई बत्ती सोमवार सुबह लगभग सात बजे बहाल हुई। हालांकि आपूर्ति शुरू होने के महज आधे घंटे बाद ही फिर बिजली कट गई। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे आपूर्ति बहाल हुई।दिनभर बिजली के आने–जाने का सिलसिला जारी रहा।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि बिजली रहने के दौरान भी वोल्टेज बेहद कम रहा, जिससे पंखे और कूलर नाममात्र की गति से चलते रहे। भीषण गर्मी और उमस के बीच लो वोल्टेज ने लोगों की परेशानियां और बढ़ा दीं। बिजली संकट के कारण पानी की आपूर्ति भी प्रभावित रही, जिससे कई इलाकों में लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा।

वहीं बैरहना, मिंटो पार्क, मुट्ठीगंज, जीरो रोड सहित कई इलाकों में दिनभर चार से पांच बार बिजली गुल हुई। प्रत्येक बार आधे घंटे से डेढ़ घंटे तक आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में लगातार हो रही बिजली कटौती से पेयजल आपूर्ति, घरेलू कार्य और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

शहर उत्तरी के तेलियरगंज, सलोरी, गोविंदपुर, कटरा, अल्लापुर और कर्नलगंज क्षेत्रों में भी दिनभर बिजली की आंख–मिचौली जारी रही। यहां भी चार से पांच बार बिजली कटौती हुई और हर बार आधे से एक घंटे तक बत्ती गुल रही। शहर पश्चिमी के सुलेमसराय केंद्रांचल उपकेंद्र से जुड़े टीपी नगर, मुंडेरा और नीमसराय क्षेत्रों में भी दिनभर बिजली आती–जाती रही।

न्यू खुसरो बाग क्षेत्र में नए अवर अभियंता (जेई) कप्तान सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सोमवार को कार्य के दौरान स्थानीय हमारे साथ क्षेत्रीय पार्षद सरफराज अहमद भी मौके पर मौजूद रहे। शिकायतों के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता है।– अनिल यादव, एसडीओ, खुसरोबाग

बैरहना बिजली उपकेंद्र से संबंधित बिजनेस प्लान के अंतर्गत 33 केवी स्विच यार्ड में वीसीबी बदलने का कार्य किया जाएगा। इस कारण मंगलवार सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उपखंड अधिकारी रामबाग ने बताया कि इस दौरान तुलारामबाग, सोहबतियाबाग, बैरहना, तालाब, नवल राय, लश्कर लाइन तथा मधवापुर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए आवश्यक कार्य करने और पानी भर लेने की सलाह दी है।

इविवि में पीजी प्रवेश परीक्षा में तार्किक क्षमता के प्रश्नों ने बढ़ाई चुनौती

प्रयागराज। इविवि और संघटक महाविद्यालयों में परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मंगलवार से परीक्षा शुरू हो गई। पहले दिन पीजीटी–दो व आईपीएस पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई। परीक्षार्थियों ने बताया कि प्रश्नपत्र का स्तर सामान्य रहा लेकिन तार्किक क्षमता (रीजनिंग) और सामान्य जागरूकता से जुड़े कुछ प्रश्न अपेक्षाकृत कठिन रहे। पहले दिन सुबह 10 से 12रू10 बजे तक पहली पाली की परीक्षा 750 और दूसरी पाली में (दोपहर 2.30 से 4.40 बजे तक) में 946 परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों पालियों में 289 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। औसत उपस्थिति लगभग 85 प्रतिशत दर्ज की गई। पहले दिन एमसीए, एमएससी एग्रीकल्चरल माइक्रोबायोलॉजी, एग्रीकल्चरल एंटोमोलॉजी, एमवोक मीडिया स्टडीज, एमएससी मैटेरियल साइंस, एमएफए, एमए महिला अध्ययन, एमएड, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, मास्टर इन डेवलपमेंट स्टडीज, एमए गांधी विचार एवं शांति अध्ययन, एमए थिएटर एंड फिल्म, बीएड, एमएड सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन परीक्षा हुई। मंगलवार को पीजीएटी–दो के तहत 15 व्यावसायिक व विज्ञान पाठ्यक्रमों की परीक्षा में 1988 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पीआरओ जया कपूर के मुताबिक परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से हुई। आगामी दिनों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं होंगी।

सूबेदारगंज से कटड़ा के लिए फिर दौड़ी जम्मू मेल

प्रयागराज। श्री माता वैष्णो देवी और अमरनाथ जाने वाले यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। सूबेदारगंज से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलने वाली जम्मू मेल (ट्रेन संख्या 20433) का संचालन सोमवार से फिर से पुराने मार्ग से शुरू हुआ है। प्राकृतिक आपदा के कारण पिछले कुछ महीनों से ट्रेन को अंबाला तक ही चलाया जा रहा था। सोमवार को यह ट्रेन सीधे कटड़ा के लिए रवाना हुई।यात्रियों में इस ट्रेन को लेकर इस कदर उत्साह है कि जुलाई में अब केवल आरएसी सीटें बची हैं और कंफर्म टिकट अगस्त महीने में ही मिल पा रहा है। वहीं, सूबेदारगंज से चलने वाली ट्रेन संख्या 22431 उधमपुर सुपरफास्ट (शहीद कैप्टन तुषार महाजन एक्सप्रेस) का संचालन भी मंगलवार से होगा। सप्ताह में दो दिन (मंगलवार और शनिवार) चलने वाली इस ट्रेन में अगले कई दिनों तक लंबी प्रतीक्षा सूची है। ट्रेन में 28 जुलाई और उसके बाद ही कंफर्म सीटें उपलब्ध हैं। इन दोनों ट्रेनों के पुराने रूट पर संचालन से जम्मू और उधमपुर जाने वाले सैनिकों, व्यापारियों और आम यात्रियों को राहत मिलेगी।

20 साल पुराने गैर–इरादतन हत्या के मामले में आरोपी बरी

प्रयागराज। जिला अदालत ने 20 साल पुराने गैर–इरादतन हत्या के मामले में आरोपी को बरी कर दिया है। कहा कि जिस हमले को प्रत्यक्षदर्शी गवाह चाकू और सरिया से किया गया बता रहे थे, उसका समर्थन मेडिकल साक्ष्य नहीं करता। यह टिप्पणी अपर सत्र न्यायाधीश दिवाकर द्विवेदी की अदालत ने की। मम्फोर्डगंज निवासी दिलीप केसरी के खिलाफ गैर–इरादतन हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला 2006 का है। अभियोजन के अनुसार टेंट लगाने को लेकर विवाद के बाद रात में बच्चालाल यादव पर हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल होने पर उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस ने दिलीप के खिलाफ गैर–इरादतन हत्या के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। प्रत्यक्षदर्शी गवाहों ने दावा किया कि आरोपी ने चाकू और सरिया से वार किया था। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक ने कहा कि बच्चालाल के शरीर पर धारदार हथियार से कोई चोट नहीं मिली।

11 घंटे सर्जरी, 70 फीसदी कैंसरग्रस्त जबड़े को दिया नया जीवन

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में सिद्धार्थनगर निवासी गंगाराम (55) के कैंसरग्रस्त जबड़े को 11 घंटे चली सर्जरी के बाद नया जीवन दिया गया। सर्जरी के बाद मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है। गंगाराम के निचले जबड़े में पिछले छह माह से कैंसर था। इन्होंने गोरखपुर और वाराणसी के कई अस्पतालों में परामर्श लिया पर उन्हें संतोषजनक समाधान नहीं मिला। बाद में वह स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे। यहां कैंसर सर्जरी विभाग के डॉ. राजुल अभिषेक से परामर्श लिया।

डॉक्टर ने जांच में पाया कि कैंसरग्रस्त जबड़े को निकालकर उसका पुनर्निर्माण करना होगा। यह कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण था। इसके लिए डॉ. राजुल ने प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित जैन से संपर्क किया। दोनों ने संयुक्त रूप से उपचार की विस्तृत योजना तैयार की। 15 दिन पहले गंगाराम का ऑपरेशन किया गया। इस दौरान कैंसर से प्रभावित जबड़े के हिस्से को पूरी तरह निकाल दिया गया।

इसके बाद मरीज के पैर की छोटी हड्डी (फिबुला) निकाली गई। इसे माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी की सहायता से जबड़े के स्थान पर प्रत्यारोपित किया गया। यह सर्जरी अत्यंत जटिल थी। ऑपरेशन के बाद मरीज को पांच दिन तक आईसीयू में रखा गया। उपचार के बाद गंगाराम पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं।

इस जटिल सर्जरी में प्लास्टिक सर्जन डॉ. यशार्थ शर्मा, एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. शिवेंदु ओझा का विशेष योगदान रहा। चिकित्सकों ने बताया कि भविष्य में पुनर्निर्मित जबड़े में डेंटल इम्प्लांट भी लगाए जाएंगे। इससे मरीज सामान्य जीवन व्यतीत कर सकेगा।

यह सर्जरी केवल कैंसरग्रस्त जबड़े को निकालने तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीज को उसके चेहरे की संरचना, बोलने, खाने और उनमें आत्मविश्वास लौटाने का प्रयास है। माइक्रोवैस्कुलर तकनीक में शरीर के एक हिस्से की हड्डी और रक्तवाहिनियों को सूक्ष्म स्तर पर जोड़ा जाता है। इस तरह की जटिल सर्जरी कर मेडिकल कॉलेज ने भविष्य में और बड़े ऑपरेशन का रास्ता खोला है। – डॉ. मोहित जैन, विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज

शिक्षकों के 1.43 लाख पद खाली, 30 लाख अभ्यर्थियों को भर्ती का इंतजार

प्रयागराज। प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में करीब 1.43 लाख पद खाली हैं। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 30 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कई विद्यालय ऐसे हैं जहां शिक्षकों की संख्या कम होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षक भर्ती को लेकर छात्र लगातार आवाज बुलंद कर रहे हैं। प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद के 1.32 लाख से अधिक स्कूल हैं। वर्ष 2018 के बाद से इन स्कूलों में कोई नई शिक्षक भर्ती नहीं हुई है। वर्ष 2018 में 68,500 शिक्षकों की भर्ती के मामले में सरकार ने खुद 27 हजार से अधिक पद रिक्त होने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद 69,000 सहायक अध्यापकों की भर्ती हुई। यह मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। 12 जून 2020 को उच्चतम न्यायालय में सरकार की ओर से दिए गए हलफनामे में 51,112 पद खाली होने का उल्लेख था। इस प्रकार वर्ष 2020 तक 78 हजार से अधिक शिक्षक पदों की रिक्तता की पुष्टि हुई थी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए खाली पदों की संख्या 1.43 लाख बताई है। वहीं, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा, शिक्षकों की कमी से सैकड़ों स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एक संसदीय समिति ने भी प्रदेश में कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में 1.43 लाख शिक्षकों के पद खाली होने की सिफारिश की है। वहीं, बताया जा रहा कि रिक्त पदों में सीधी भर्ती के लिए 59,882 पद हैं, जबकि शेष पदों को पदोन्नति और अन्य माध्यमों से भरा जाना है।

जिले में पांच हजार से ज्यादा स्कूलों में एक ही शिक्षक

शिक्षकों की कमी का सीधा असर स्कूलों पर पड़ रहा है। प्रयागराज में ही करीब 5,694 स्कूल एक–एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की वर्ष 2025–26 की प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड बैठक में प्रस्तुत उत्तर प्रदेश की रिपोर्ट के अनुसार, 2585 प्राथमिक और 3109 उच्च प्राथमिक स्कूलों में केवल एक शिक्षक मौजूद हैं।

आठ वर्षों में सीमित भर्तियां

बेसिक शिक्षा परिषद में 2018–26 के दौरान हुई प्रमुख शिक्षक भर्तियों पर नजर डालें तो वर्ष 2018 में 68,500, वर्ष 2019 में 69,000 शिक्षकों की भर्ती हुई। इसके बाद वर्ष 2021 से 2026 के बीच 69,000 भर्ती के रिक्त पदों पर पूरक चयन व वर्ष 2023 से 2026 के बीच 12,460 पदों की भर्ती का मामला आरक्षण संबंधी विवादों के कारण न्यायालय में विचाराधीन है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम श्रृष्टि यादव पुत्री इन्द्र बहादुर यादव है जो उसकी शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0– 4420 6125 4739 में उसका नाम क्रिस्टी यादव है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम श्रृष्टि यादव पुत्री इन्द्र बहादुर यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतद द्वारा प्रमाणि किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है।

शपथकर्ती

नीता देवी पत्नी इन्द्र बहादुर यादव निवासी ग्राम रामनगर दलई का पूरा टप्पा चौरासी परगना खैरागढ़ तहसील व थाना मेजा जिला प्रयागराज पिन कोड 212305

संक्षिप्त

बीजेपी के हर कश्वरिडोर और चौड़ीकरण के पीछे बड़ा घोटाला, न्यायिक जांच हो : अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की कॉरिडोर और चौड़ीकरण योजनाओं में घपले–घोटाले का आरोप लगाते हुए मंगलवार को बहुसदस्यीय न्यायिक जांच की मांग की। सपा प्रमुख ने यह मांग राम मंदिर के दान पात्र और वित्तीय प्रबंधन में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच शुरू होने के बाद उठाई है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा सरकार के बनाए हर कॉरिडोर और चौड़ीकरण की योजना के पीछे जो घपला–घोटाला है, उसकी बहुसदस्यीय न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, इसमें संलिप्त किसी ट्रस्टी, किसी समिति के सदस्य या किसी प्रशासनिक एवं विकास प्राधिकरण के अधिकारी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इतने बड़े घोटाले इन सभी की मिलीभगत से ही संभव होते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में इन परियोजनाओं से जुड़े रहे सभी पदाधिकारियों और अधिकारियों तथा इनमें प्रमुख भूमिका निभाने वाले लोगों की कथित रूप से अवैध तरीके से अर्जित संपत्तियों और अकूत धन–संपदा की भी जांच होनी चाहिए। यह जांच आम जनता, ईमानदार पत्रकारों और विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों की निगरानी में कराई जानी चाहिए। यादव ने पोस्ट के साथ 31 सेकंड का एक वीडियो भी साझा किया। वीडियो पर लिखा है, अयोध्या साल 1940 में स्थापित शिव मंदिर पर चला बुलडोजर। वीडियो में एक मंदिर जैसी संरचना को बुलडोजर से तोड़ते हुए दिखाया गया है।

ट्रेन में सीट नहीं मिली तो बोला-बम है, गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस में मची अफरा-तफरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर गोरखपुर–तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस के रुकते ही उसमें से सभी यात्री उतरकर भागने लगे। तुरंत आरपीएफ, जीआरपी और डॉग स्क्वॉड की टीमें ट्रेन के अंदर दाखिल हुईं। कई कोच में जा–जाकर जांच की। मंगलवार को यह घटना इसलिए हुई क्योंकि ट्रेन के अंदर एक युवक ने सीट न मिलने पर अफवाह उड़ा दी थी कि इसमें बम है। उसकी अफवाह के चलते ट्रेन को ऐशबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म–1 पर रोक दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेन में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। करीब आधे घंटे की सघन तलाशी के दौरान ट्रेन में कुछ नहीं मिला तो जीआरपी ने यात्रियों से पूछना शुरू किया कि किसने यह सूचना दी। इस पर लोगों ने एक युवक की तरफ इशारा किया। युवक को हिरासत में ले लिया गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। यात्रियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे पूरे अभियान की निगरानी की। अधिकारियों के अनुसार, बम की सूचना की सत्यता की जांच की गई। किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। थाना बाजारखाला पुलिस के अनुसार, अफवाह फैलाने वाले युवक ने अपना नाम–पता तेलंगाना के विमलवाड़ा रजाना का रहने वाला सैनी जैकी बताया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान ट्रेन और उसके सभी कोचों की गहन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई। बम मिलने की सूचना पूरी तरह से झूठी थी।

शिक्षित बेरोजगार न हों परेशान, होंगी बम्पर भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए राहत की खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 2026 के लिए चार अलग–अलग और सरकारी विभागों में बंपर भर्तियों की घोषणा कर दी है। भर्तियों के माध्यम से प्रदेश में कुल हजारों खाली पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी, जिससे यूपी के बेरोजगार युवाओं को रोजगार का एक बहुत बड़ा और शानदार मौका मिलने जा रहा है। शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार अपनी पसंद और पात्रता के अनुसार इन पदों के लिए दांव लगा सकते हैं। कृषि क्षेत्र से पढ़ाई करने वाले युवाओं के लिए यह भर्ती एक बेहतरीन करियर ऑप्शन साबित हो सकती है। आयोग ने गन्ना पर्यवेक्षक के 1182 पदों पर बंपर भर्ती निकाली है। इस पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से बीएससी की डिग्री होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 7 जुलाई से आधिकारिक तौर पर शुरू हो जाएगी, जो 28 जुलाई तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी यूपीएसएसएससी की ऑफिशियल वेबसाइट नचेब.हवअ.पद पर जाकर समय रहते फॉर्म भर सकते हैं। सरकार ने वन रक्षक के कुल 708 पदों पर भर्ती की आधिकारिक घोषणा की है। इस पद की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सिर्फ 10वीं पास रखी गई है। ऑनलाइन आवेदन की खिड़की 30 जून को खुलेगी और उम्मीदवार 20 जुलाई तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। हैं। सुरक्षा और ट्रेनिंग क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए भी एक अच्छी खबर है। आयोग ने हवलदार इंस्ट्रक्टर के 209 पदों पर सीधी भर्ती निकाली है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच तेज, एसआईटी ने शुरू की पड़ताल

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच अब तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के पहले दिन टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से विस्तृत जानकारी हासिल की है। मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की भी जांच की गई है।सूत्रों के अनुसारएसआईटी के सदस्य दोपहर से देर शाम तक मंदिर परिसर में मौजूद रहे। अधिकारियों ने सबसे पहले उस स्थान का निरीक्षण किया जहां श्रद्धालुओं के चढ़ावे की गणना की जाती है। वहां मौजूद सुरक्षा और निगरानी व्यवस्थाओं का आकलन किया गया है। चंपत राय और एसआईटी अधिकारियों के बीच बंद कमरे में लंबी बैठक हुई, जिसमें पूरे घटनाक्रम को समझने का प्रयास किया गया। सबूतों को इकट्ठा करने के लिए इन्वेस्टिगेशन टीम ने कई जरूरी दस्तावेजों को कस्टडी में ले लिया।अधिकारियों का मानना है कि अलग–अलग पक्षों से जानकारी जुटाने के बाद मामले की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी। सरकार ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है।

भयहरणनाथ धाम में सामूहिक हवन से हुआ श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का समापन

कब्जा मुक्ति हेतु 21 जून को होगा 15वां सामाजिक सत्याग्रह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का समापन सामूहिक हवन से हुआ। बाबा को अग्नि का साक्षी मानकर संकल्प लिया गया कि धाम के कब्जा मुक्ति तक रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा, धाम मुक्ति का संकल्प अब हवन की आहुति बन गया। वहीं तय हुआ कि 21 जून रविवार को 15वां सामाजिक सत्याग्रह धाम में आयोजित होगा और राजस्व विभाग के कार्यो में सहयोगी भी बनेगा। यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया की पहले भागवत से जनजागरण, फिर हवन से संकल्प, अब 15 वें सत्याग्रह से मुक्ति की उम्मीद करते हुए सभी ने राजस्व विभाग से यथा शीघ्र समाधान की माँग की। समापन अवसर पर कथा व्यास भागवत भूषण विजय कांत

तिवारी जी महाराज ने कहा कि भयहरणनाथ तीर्थ का कब्जा मुक्ति व विकास समय की आवश्यकता है, सरकार व समाज के सभी महत्वपूर्ण अंगो को इसमें प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी को अपनी निर्णायक भूमिका निभाने की अपील की। धाम के भक्तों व प्रबन्ध समिति सदस्यों ने महाराज जी को भाव भीनी बिदाई दी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, पुजारी भोला नाथ तिवारी, हीरा लाल, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्य वाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, अजब नारायण पांडेय, अरुणेश अग्रहरि, उमेश अग्रहरि, मुरली पांडेय, वीना श्रीवास्तव, रमेश मौर्य, कुलदीप यादव, लाल पांडेय आदि शामिल रहे।

आधारशिला वृद्धाश्रम नैनी में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयागराज। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के उपलक्ष्य में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज कला संकाय एवं योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह एवं अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह के मार्गदर्शन में योग शिक्षक डॉ. मुकेश कुमार द्विवेदी द्वारा जन–जागरूकता एवं स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से आधारशिला वृद्धाश्रम, नैनी, प्रयागराज में विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आधारशिला वृद्धाश्रम में लगभग 200 वृद्धजन प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली में योग की भूमिका तथा दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। योग गुरु डॉ. मुकेश कुमार द्विवेदी एवं उनकी टीम के सदस्य श्री प्रेम सागर शुक्ल, श्री अभिषेक पाण्डेय, सुश्री संध्या सिंह तथा सुश्री प्रतिभा सिंह ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि योग शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 की थीम ष्स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योगष के अनुरूप नियमित योगाभ्यास को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के अध्यक्ष, पदाधिकारी, कर्मचारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग को जन–जन तक पहुँचाने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संकल्प दोहराया।

माफिया सफाया पसंदीदा विषय-योगी

9 साल में पहली बार सीएम ने बताई बात

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में डी 3 त्रिवेणी कार्यक्रम में बताया कि माफिया सफाया पसंदीदा विषय है। पिछले 9 सालों में पहली बार था जब सीएम योगी ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि माफिया का सफाया करना ही उनका सबसे प्रिय विषय है। यूपी सीएम ने कहा कि 9 साल पहले लखनऊ में पुलिस की जमीन पर माफिया का

कब्जा था। ये सब पिछली सरकारों के संरक्षण में चल रहा था लेकिन किसी की हिम्मत नहीं थी कि इस जमीन को खाली करवाया जा सके लेकिन यूपी सरकार ने जमीन खाली भी करवाई और उस पर भव्य फारेंसिक इंस्टीट्यूट भी बनवाया। लखनऊ का फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट एफएसएल और साइबर सिक्योरिटी का केंद्र ही नहीं बल्कि वह आज के समय की सभी टेक्नॉलोजी का केंद्र भी है। वहां डिप्लोमा और डिग्री कोर्स भी चल रहे हैं। जिस जमीन पर ये बना था वह यूपी पुलिस की थी लेकिन उस पर कब्जा था एक कुख्यात माफिया का। 2017 में एक दिन उनके मन में यह ख्याल आया कि यूपी इतनी बड़ी आबादी वाला राज्य है, हमारे पास केबल चार ही एफएसएल यानी कि फॉरेंसिक लैब हैं, आखिर इतना बड़ा प्रदेश कैसे चलेगा।जो जांच भेजते हैं तो कई–कई साल लगते हैं। जब वह पूछते थे कि नई लैब क्यों स्थापित नहीं हो रहीं तो पता चलता था कि मैंन पावर नहीं है।उन्होंने आदेश दिया कि इंस्टीट्यूट स्थापित करो और अच्छा पैकेज दो। हाथ पर हाथ धरे रहने से काम नहीं होगा। यूपी के डीजीपी रिटायरमेंट के समय में एक फाइल लेकर उनके पास आए। मैंने पूछा ये क्या है,मुझे लगा कि हो सकता है कि एक्सटेंशन का लेकर आए हों। उन्होंने कहा कि आप फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की बात कर रहे हैं, यूपी पुलिस की एक जमीन पर माफिया का कब्जा है तो मैंने कहा कि ये तो हमारा सबसे प्रिय विषय है।उन्होंने हंसकर पूछा कि क्या मतलब।मैंने कहा कि ये फाइल मुझे दे दीजिए, मैं इसे ठीक करवा दूंगा। डीजीपी ने कहा कि एयरपोर्ट से मुश्किल से 3 किमी की दूरी पर 120 एकड़ की जमीन है, कीमत भी बहुत है। माफिया ने प्लॉटिंग शुरू कर दी है। मैंने उसके कागज निकाले और पूछा कि रेलवे बोर्ड के किस अधिकारी ने किसके पक्ष में इसे कब दिया था। उसकी पूरी कुंडली निकालो। कुंडली निकालकर बोर्ड के चेयरमैन को बुलाकर मैंने इस जमीन पर स्टे लगवाने की बात कही।वो हाई कोर्ट गए तो मैंने इधर एफआईआर करवा दी।अगले ही दिन वहां पर हमारा बुलडोजर पहुंच गया था। माफिया से जमीन खाली करवाकर वहां पर फारेंसिक इंस्टीट्यूट बनाया गया। अब इस जमीन पर छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

सत्ता की चाबी हाथ में ले ओबीसी समाज, मायावती ने कहा दूसरी पार्टियों ने सिर्फ इस्तेमाल किया

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने ओबीसी समाज से बसपा का साथ देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 2007 की तरह 2027 के विधानसभा चुनाव में भी ओबीसी समाज पूर्ण बहुमत दिलाकर बसपा की सरकार बनाए। मायावती ने कहा कि दूसरी पार्टियों ने ओबीसी समाज को सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए इस्तेमाल किया, जबकि

बसपा ने ही उन्हें सत्ता और संगठन दोनों में सच्ची भागीदारी दी। बसपा प्रमुख मायावती पिछले कई दिनों से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर लगातार बैठकें कर रही हैं।

इन बैठकों में उन्होंने ओबीसी भाईचारा कमेटी को दिए गए दिशा–निर्देशों की जमीनी तैयारियों, जनाधार बढ़ाने और कार्यकलापों की विस्तृत समीक्षा की। मायावती ने कहा, "पिछले तमाम अनुभवों के आधार पर मैं स्पष्ट रूप से कह सकती हूं कि ओबीसी समाज का वास्तविक हित और कल्याण बसपा व बहन मायावती की सरकार में ही निहित है।"

उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज बसपा को छोड़कर दूसरी पार्टियों के साथ जाकर देख चुका है। उन पार्टियों ने न तो संगठन में और न ही सरकार में ओबीसी समाज को कभी आगे बढ़ाया या पर्याप्त भागीदारी दी।

इचिनेशिया के फूल

समझो क्यों 'इचिनेशियाश, जग में है मशहूर।
सुन्दर रंग बिखेरता, औषधि से भरपूर।
औषधि से भरपूर, फूल गर्मी में खिलते।
है एस्टर परिवार, कोनफ्लावर भी कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी देकर यह सबको।
बिन बोले ही कहें, हमारे गुण को समझो।।

कहते हैं इचिनेशिया, है अमरीकी मूल।
प्यारी जिसकी पंखुरी, बहुरंगी हैं फूल।
बहुरंगी हैं फूल, दवायें जिनसे बनती।
भारत के ही साथ, सभी देशों में मिलती।
सुन लो कहें प्रदीप,सुगन्धित उपवन करके।
रहिये सबके साथ, सभी से हँसकर कहते।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नगर निगम द्वारा प्रवर्तन दल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी

प्रयागराज। मौजा रसूलपुर मरियाडीह की आराजी सं0–93 मि० क्षेत्रफल 1450 वर्गमीटर जो रिक्त है व 94 क्षेत्रफल–1480 वर्गमीटर पर हुए अवैध निर्माण, जिसमें लगभग 62 वर्गमीटर के

क्षेत्रफल निर्माणाधीन मकान व लगभग 600 वर्गमीटर भूमि पर 03 फिट ऊँची बाउण्ड्रीवाल तथा लगभग 450 वर्गमीटर भूमि पर लगभग 07 फिट ऊँची बाउण्ड्रीवाल को अधोहस्ताक्षरी के नेतृत्व में प्रवर्तन दल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

राजधानी में भीषण गर्मी, चल रही लू,अगले एक हफ्ते तपन और उमस करेगी परेशान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में फिर से भीषण गर्मी पड़ने लगी है। सुबह से मौसम साफ रहने के साथ में तेज धूप से तपन और उमस महसूस हो रही है। लू चल रही है। दोपहर 3 बजे पारा 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 29 डिग्री दर्ज हुआ। लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर रविवार से थम गया है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बदलाव के कारण आने वाले एक सप्ताह के भीतर प्रदेश के तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इससे लखनऊ का अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर जाएगा। तापमान बढ़ने से लोगों को एक बार फिर उमस और तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा, हालांकि राहत की बात यह है कि अभी लू चलने की संभावना कम है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, हरियाणा के पास बने पश्चिमी विक्षोभ और पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक जा रही हवा के कम दबाव की वजह से राज्य में पिछले कुछ दिनों से बारिश और तेज हवाएं चल रही थीं।

उत्तर मध्य रेलवे

No. DYCE-II-GSU-PRYJ-12-2026 दिनांक: 13.06.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा-दो पैकेट प्रणाली) बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते है। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्या : DYCE-II-GSU-PRYJ-12-2026	अनुमानित लागत: ₹ 8.99 करोड़
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सड़क सुरक्षा परियोजना के कार्यालय के लिए सामान्य परामर्शदाता की नियुक्ति।	
धरोहर राशि: ₹ 5,99,800/-	निविदा फार्म का मूल्य: 0.00
खुलने की तिथि: 21.07.2026, 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि: 24 महीने

नोट:- उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1355/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.-74- डब्लू- सीएसपी-26-27-05 दिनांक: 13.06.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.:74-W-CSP-26-27-05	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 961.25 लाख
कार्यों का विवरण: सीएसपी/एसएफडी/पीआरवाईजे में स्लीपरों के उत्पादन और हैंडलिंग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का निष्पादन।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 19.225 लाख	कार्य समापन की अवधि : 26 महीना
निविदा खुलने की तिथि : 06.07.2026	
समरूप कार्य : सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित कोई भी कार्य, जिसमें आरसीसी का काम अन्य कार्य में शामिल हैं।	

नोट: 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। 6. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और / सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी. एस. टी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। 10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित / स्थगित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 11. निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किए जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अलग सूचना नहीं दी जाएगी। 1348/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

भारत का अपमान करता अमेरिका और मौन मोदी

अमेरिका भारत के लिए किस कदर दुर्भावना रखता है, इसका ताजा उदाहरण ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की मौत के तौर पर सामने आया है। 9 जून को यहां व्यावसायिक जहाज सेटबेलो पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया था। हमले की पुष्टि खुद अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने की थी। दरअसल ईरान को झुकाने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी की है और यहां से किसी भी जहाज को वह तभी गुजरने देगा, जब उसकी अनुमति हो। यह सीधे–सीधे दादागिरी है, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नैतिकता के खिलाफ है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप का शासन ऐसा ही है जो अपने अलावा किसी और के नियम नहीं मानता है। अपने इसी अहंकार भरे रवैये में अमेरिका ने सेटबेलो जहाज पर हमला किया और इसमें तीन भारतीयों की मौत हो गई, तो उसने इस पर अफसोस तक जाहिर नहीं किया। जबकि ट्रंप बार–बार नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हैं और मोदी भी उनसे अपनी नजदीकियां जाहिर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। लेकिन ट्रंप की यह दोस्ती भारत के लिए कितनी भारी पड़ रही है, इसके उदाहरण लगातार सामने आ रहे हैं। पहले अवैध अप्रवासी कहकर कई भारतीयों को बेड़ियों में जकड़कर भारत भेजा गया, मानो वे सब कुख्यात अपराधी हों। उसके बाद भारत पर टैरिफ लगाया, रूस से तेल खरीद बंद करवाई। ट्रंप ने मोदी के लिए यहां तक कह दिया कि वे उनका राजनैतिक करियर बर्बाद कर सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर बीच में ही बंद करवाने का दावा भी ट्रंप ने कई बार इस तरह किया मानो मोदी सरकार कोई भी फैसला ट्रंप से पूछे बिना नहीं करती है। इतना अपमान काफी नहीं था, जो अब तीन भारतीयों की मौत पर जिस तरह भारत को ही अमेरिका ने उल्टी घुड़की दी है और यह देखकर घोर अफसोस होता है कि इस सबके बावजूद मोदी सरकार इतना साहस नहीं दिखा रही कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को तलब करे और अपनी आपत्ति जाहिर करे। पाठकों को याद होगा कि 2013 में जब अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोब्रागढ़े पर कानूनी कार्रवाई की गई थी तो भारत की अस्मिता का सवाल उठाते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की सुरक्षा कम करने जैसे सख्त कदम उठाए थे। जिन्हें भाजपा ने बार–बार मौन मोहन कहकर मजाक उड़ाया उन्होंने दर्जनों बार भारत को मजबूत दिखाने वाले ऐसे फैसले लिए और अब अपनी ही ताकत का ढोल पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जरूरत होने पर भी सख्ती नहीं दिखा पाते हैं। तीन भारतीयों की मौत पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो सरकार ने अफसोस तो जाहिर किया लेकिन इसमें अमेरिका के लिए आलोचना का कोई शब्द नहीं था, इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से इस घटना पर श्कड़ा विरोधश दर्ज कराया और कहा कि इस तरह का श्घातक हमला उचित नहींश है। उचित न होने की बात से ही जाहिर होता है कि विदेश मंत्री जिस कड़ाई की बात कर रहे हैं, वो असल में कूटनीतिक चालाकी है। कड़ाई तो तब होती जब भारत सरकार अमेरिकी सरकार से कहती कि आपने हमारे नागरिकों की जान ली तो अब आपको भी अंजाम भुगतना पड़ेगा। लेकिन मोदी सरकार केवल बतकही से काम चलाना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एस जयशंकर और रुबियो के बीच बातचीत का जो ब्योरा जारी किया है, उसमें रुबियो ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिका की भाषा और भारत की भाषा देखकर ही समझा जा सकता है कि दोनों के रवैये में कितना फर्क है।

लेकिन इस फर्क की चिंता किए बिना मोदी फिर छह दिनों की विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। फ्रांस में देशी–विदेशी कलाकारों द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति का आनंद लेते और ताली बजाते मोदीजी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। ऐसे वीडियो प्रसारित कर सरकार शायद यही चाहती है कि जनता इस बात पर गौरव का अनुभव करे कि भारतीय संस्कृति की महिमा दुनिया में गूंज रही है और प्रधानमंत्री मोदी इस का गवाह बन रहे हैं। वैसे जनता को अब सरकारी विज्ञप्तियों का इंतजार भी नहीं रहता। वह जानती है कि नरेन्द्र मोदी जब भी विदेश जाएंगे, तो बिना सहारे धड़ाधड़ विमान की सीढ़ियां चढ़ते उनके वीडियो आएंगे, फिर प्लेन के भीतर कुछ पेपर वगैरह पढ़ते हुए तस्वीरें आएंगी, ताकि पता चले कि प्रधानमंत्री तो काम करना खत्म ही नहीं करते। विदेश में एयरपोर्ट से लेकर जिस भी सभागार में मोदी पहुंचेंगे, वहां भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे और मोदी–मोदी के नारे लगाएंगे, विदेशी धरती पर अपने देवता समान नेता को देखकर लहालोट होंगे। फिर भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर, आरती उतारकर मोदी का स्वागत होगा और फिर नृत्य–संगीत की मनमोहक प्रस्तुति। यही सब साल दर साल, महीने दर महीने होता आ रहा है। बस यही समझ नहीं आता कि जब भारतीय संस्कृति को, यहां की धरती को प्रवासी भारतीय इतना ही याद करते हैं, तो विदेश जाकर बसे क्यों हैं ।

पंजाब में २०२७ के चुनावों से पहले भाजपा की सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश

डॉ. अरुण मित्रा

जैसे –जैसे 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राज्य का राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है। सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए रणनीतियां बना रहे हैं और संभावित राजनीतिक गठबंधनों पर भी चर्चा शुरू हो गई है, हालांकि ये अभी शुरुआती दौर में हैं। केंद्र में आरएसएस–भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू की है। खबरों के अनुसार, इस कवायद से भाजपा को कु छ अन्य राज्यों में राजनीतिक लाभ मिला है और ऐसे संकेत हैं कि पंजाब में भी इसी तरह का तरीका अपनाया जा रहा है। हालांकि, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उसकी पारंपरिक हिंदू–मुस्लिम ध्रुवीकरण की रणनीति से पंजाब में कोई खास चुनावी फायदा मिलने की संभावना नहीं है। राज्य की मुस्लिम आबादी मुख्य रूप से मलेरकोटला जिले में केंद्रित है, जबकि बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रवासी मजदूर लुधियाना जैसे शहरों के उद्योगों और पूरे राज्य में कृषि क्षेत्र में काम करते हैं। नतीजतन, भाजपा पंजाब में एक अलग रणनीति अपनाती दिख रही है। पंजाब में सिख बहुल आबादी है, जहां सिख कृषि और कृषि–व्यवसाय में अहम भूमिका निभाते हैं और शहरी इलाकों में भी उनकी अच्छी–खासी मौजूदगी है। हिंदू मुख्य रूप से कस्बों और शहरों में केंद्रित हैं और विभिन्न व्यावसायिक और व्यापारिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। राज्य में भारत के अन्य हिस्सों से आकर बसे लोगों की भी बड़ी संख्या है जो दशकों से पंजाब में रह रहे हैं। इसके अलावा, कई धार्मिक संप्रदाय और डेरे आबादी के विभिन्न वर्गों के बीच काफी प्रभाव रखते हैं। इसे समझते हुए, भाजपा ने बहुआयामी रणनीति अपनाई है और इन धार्मिक संस्थानों तक अपनी पहुंच बढ़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु रविदास जयंती के अवसर पर जालंधर में प्रभावशाली डेरा सचखंडबल्लन का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने सम्मान व्यक्त किया और डेरा के आध्यात्मिक प्रमुख संत निरंजन दास से मुलाकात की। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले, पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने भी डेरा का दौरा किया था, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला और भाजपा नेता अविनाश चंदर शामिल थे। इसी तरह, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने ब्यास में राधा स्वामी सत्संग ब्यास (आरएसएसबी) के मुख्यालय का दौरा किया। सैनी ने आरएसएसबी प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से मुलाकात की। कहा जा रहा है कि यह मुलाकात आशीर्वाद लेने और आध्यात्मिक व सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए थी। ये दौरे इस बात को दिखाते हैं कि भाजपा इस इलाके के बड़े धार्मिक संगठनों के अनुयायियों के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही है। हालांकि डेरा सच्चा सौदा हरियाणा में है, लेकिन पंजाब में भी इसके बहुत सारे अनुयायी हैं। इसके प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह जेल में होने के बावजूद काफी प्रभाव रखते हैं। उन्हें बार–बार पैरोल मिलने से अक्सर विवाद पैदा हुए हैं, और कई जानकारों का मानना है कि चुनाव के समय उनके प्रभाव का रणनीतिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में, ऐसा लगता है कि भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति में एक नया पहलू जोड़ा है। आरएसएस की एक आम रणनीति रही है कि वे सार्वजनिक रूप से विचार रखते हैं, लोगों की प्रतिक्रिया देखते हैं और फिर तय करते हैं कि उन्हें आगे बढ़ाना है या नहीं। इसी संदर्भ में, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन ने 6 जून को मेहता चौक में दमदमी टकसाल मुख्यालय में ऑपरेशन ब्लू स्टार की याद में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ लड़ने वालों को सार्वजनिक रूप से श्शहीदश कहा। यह बात सभी जानते हैं कि भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई करने के लिए दबाव डाला था। दुनिया में कहीं भी किसी बड़े धार्मिक स्थल पर सशस्त्र कार्रवाई विवाद का विषय बन जाती है क्योंकि ऐसी जगहों से लोगों की गहरी भावनाएं जुड़ी होती हैं। महाजन ने कांग्रेस पार्टी की भूमिका की तुलना अहमद शाह अब्दाली से भी की। इसमें कोई शक नहीं कि 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सुरक्षा गार्डों द्वारा हत्या के बाद दिल्ली और अन्य जगहों पर सिख–विरोधी हिंसा भड़काने में कई कांग्रेस नेताओं ने निंदनीय भूमिका निभाई थी। हालांकि, जिस बात पर बहुत कम ध्यान दिया गया है, वह है उस दौरान सिख–विरोधी भावना को भड़काने में जमीनी स्तर पर आरएसएस कार्यकर्ताओं की भूमिका। खास बात यह है कि महाजन ने ऑपरेशन ब्लैक थंडर का कोई जिक्र नहीं किया, जो बरनाला सरकार के कार्यकाल के दौरान चलाया गया था। ऑपरेशन ब्लैक थंडर स्वर्ण मंदिर परिसर से सशस्त्र उग्रवादियों को हटाने के लिए दो चरणों में चलाया गया था। ऑपरेशन ब्लैक थंडर–1, 30 अप्रैल 1986 की रात को शुरू हुआ और 1 मई 1986 को खत्म हुआ। ऑपरेशन ब्लैक थंडर–2, 9 मई 1988 को शुरू हुआ और 18 मई 1988 को उग्रवादियों के सरेंडर के साथ खत्म हुआ। ये ऑपरेशन ब्लू स्टार ऑपरेशन से काफी अलग थे जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और पंजाब पुलिस ने किया था। इसे इस तरह से अंजाम दिया गया कि आम नागरिकों को कम से कम नुकसान हो और धार्मिकस्थल को भी कम से कम क्षति पहुंचे। श्ब्लैक थंडर–1श के दौरान, अकाली नेता और मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला ने केंद्र से मदद मांगी, जिसके बाद सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। जब श्ब्लैक थंडर–2श शुरू हुआ, तब तक बरनाला सरकार को बर्खास्त किया जा चुका था और पंजाब में राष्ट्रपति शासन लागू था। ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ चुनावी गठबंधन की संभावना जताई है। इससे कुछ विरोधाभास पैदा होते हैं। ऐतिहासिक रूप से, अकाली और दमदमी टकसाल की राजनीतिक सोच हमेशा एक जैसी नहीं रही है। उग्रवाद के अशांत दौर में दमदमी टकसाल ने अहम भूमिका निभाई थी और यह खालिस्तान आंदोलन व अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा देने से जुड़ी थी। अकाली नेतृत्व ने हिंसा या अलगाववाद का समर्थन नहीं किया, हालांकि इन प्रवृत्तियों के प्रति उनके विरोध को अक्सर अपर्याप्त और कमजोर माना गया। धार्मिक पहचान की राजनीति पर आधारित पार्टी होने के कारण, अकाली दल की धर्मनिरपेक्ष साख पर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि अकाली नेताओं ने सिखों के साथ कथित भेदभाव के मुद्दे बार–बार उठाए और कभी–कभी भारतीय संविधान की प्रतियां फाड़ने जैसे प्रतीकात्मक काम भी किए। उस दौर में जन–धारणा और राजनीतिक विमर्श को आकार देने में ऐसी गतिविधियों ने भूमिका निभाई। ऐसा लगता है कि भाजपा को उम्मीद थी कि अकालियों के साथ भविष्य के किसी भी गठबंधन में उसका पलड़ा भारी रहेगा। हालांकि, अब ऐसा करना आसान नहीं हो सकता, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के हालिया नतीजों को देखते हुए। अकाली दल, जो पारंपरिक रूप से सिख वोटों को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है, उसे अब कई अन्य संगठनों से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी ही एक उभरती हुई ताकत है श्वारिस पंजाब देश, जिसके प्रमुख अभी सांसद और उपदेशक अमृतपाल सिंह हैं। संगठन के संस्थापक, अभिनेता–कार्यकर्ता दीप सिद्धू की मौत के बाद उन्होंने इसकी कमान संभाली। आलोचकों का आरोप है कि अमृतपाल सिंह को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों से अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ है। दीप सिद्धू की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सार्वजनिक रूप से जानी–पहचानी नजदीकी के कारण कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इन रिश्तों की प्रकृति पर भी सवाल उठाए हैं। नतीजतन, अमृतपाल सिंह के राजनीतिक सफर को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। पंजाब में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने में भाजपा की भूमिका पहले भी देखी गई है। उग्रवाद के चरम दौर में, शांति समिति की बैठकों में भाजपा के कुछ नेताओं के भाषणों में अक्सर सांप्रदायिक भावनाएं झलकती थीं और वे एकता को बढ़ावा देने के बजाय धार्मिक विभाजन को और गहरा करते थे। इस संदर्भ में, पंजाब में भाजपा की मौजूदा राजनीतिक चालों पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने हमेशा अलगाववाद और आतंकवादी हिंसा का विरोध किया, जिसके लिए उसे अक्सर भारी कीमत चुकानी पड़ी और कई समर्पित साथियों की जान भी गंवानी पड़ी। उस दौर में, श्न हिंदू राज, न खालिस्तान–जुग–जुग जिए हिंदुस्तानश का नारा सांप्रदायिक बहुसंख्यकवाद और अलगाववाद, दोनों के विरोध के प्रतीक के तौर पर काफी लोकप्रिय हुआ था। इसलिए, आज हो रही घटनाओं पर सतर्क रहने की जरूरत है। अगर पंजाब भाजपा के राजनीतिक विस्तार को रोकने में कामयाब हो जाता है, तो यह पार्टी के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। हालांकि, ऐसा नतीजा पाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने और बड़े पैमाने पर राजनीतिक लामबंदी की जरूरत होगी। वामपंथी दल अब संगठनात्मक रूप से उतने मजबूत नहीं रहे जितने 1980 के दशक में थे, लेकिन उनकी वैचारिक ताकत अभी भी काफी बनी हुई है।

ट्रेड यूनियनों, खेतिहर मजदूरों और छोटे व सीमांत किसानों के बीच वामपंथियों की मौजूदगी अभी भी अहम है। जहां कई राजनीतिक दल चुनावी राजनीति को मुख्य रूप से धार्मिक पहचान के नजरिए से देखते हैं, वहीं वामपंथियों ने हमेशा आम लोगों से जुड़े मुद्दोंकृजैसे मजदूरी, कृषि उपज के दाम, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार और महिलाओं के अधिकारकृपर जोर दिया है। यह जरूरी है कि ये मुद्दे सार्वजनिक चर्चा में सबसे आगे रहें। प्रगतिशील ताकतों के सामने चुनौती एक व्यापक फासीवाद–विरोधी मोर्चा बनाने की है, जो वामपंथी संगठनों को वामपंथ से इतर लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ एकजुट कर सके और इस तरह पहचान–आधारित विभाजनकारी राजनीति का एक विश्वसनीय विकल्प पेश कर सके।

देश की आवाज बने राहुल

शकील अख्तर

राहुल राजनीति करने लगे हैं। जरूरी था यह। लोगों में उत्साह इसी से बढ़ता है। इंडिया गठबंधन की बैठक में कहा तो सहयोगी विपक्षी दलों से था मगर लगा कि यह बात जनता तक जाना चाहिए तो अपना वहां दिया भाषण सार्वजनिक कर दिया। पहले जो अंग्रेजी में दिया था ओरिजनल वह और फिर उसी का हिन्दी रूपान्तरण। उसमें उन्होंने जो सबसे राजनीतिक बात कही है वह यह कि 2029 में हम आ रहे हैं। जनता यही सुनना चाहती थी। विपक्ष के नेता तो इससे उत्साहित हुए ही। खुद कांग्रेस में एक जोश आ गया। छात्र सम्मेलनों का एक नया कार्यक्रम फौरन बन कर आ गया। इस समय परेशान तो सब हैं। मगर यह पहली बार है कि छात्र सामने आए हैं। खासतौर से सीबीएसई की परीक्षा में धांधली के बाद। बारहवीं की परीक्षा कभी विवादों में नहीं होती थी। चाहे केन्द्रीय बोर्ड की हो या राज्यों के बोर्डों की। 12 वीं के रिजल्ट पर ही बच्चों का भविष्य निर्भर करता है। यही बच्चे दसवीं के बाद से या कुछ बारहवीं के बाद भी कोटा में कोचिंग लेने जाते हैं। बहुत मशहूर जगह हो गई है। इसके गुण दोषों पर यहां बात नहीं करेंगे गोदी मीडिया ने इन पर गलत तरीके से सवाल उठाकर स्टूडेंट का बहुत नुकसान कर दिया है। सही बहस को जो हमेशा से होती रही है शिक्षक विरोधी बना दिया। यह स्टूडेंट के हित में नहीं है। खैर तो कांग्रेस ने कोटा में पहला छात्र सम्मेलन रखा है। सही जगह चुनी है। राहुल छात्रों से बात करने के लिए खुद यहां मौजूद होगें। सम्मेलन नीट की दोबारा हो रही परीक्षा से पहले हो रहा है। नीट की पहली बार हुई परीक्षा के पेपर लीक हो गए थे। इसमें भाग लेने वाले लगभग 28 लाख स्टूडेंट और उनके माता–पिता भारी निराशा में घिर गए थे। मगर स्टूडेंट ने आवाज उठाई कांग्रेस साथ में आई। और जो मोदी सरकार पहले मना कर रही थी कि पेपर लीक नहीं हुए उसे मानना पड़ा और अब 21 जून को दोबारा परीक्षा हो रही है। एक ही परीक्षा को दो दो बार देना पड़ेगा सोचिए कितना तनाव होगा स्टूडेंट पर। मगर 17 जून को राहुल उनसे मिलेंगे और हिम्मत देने की कोशिश करेंगे। छात्र सम्मेलनों का यह सिलसिला करीब एक महीने चलेगा और कई शहरों में होते हुए दिल्ली में 14 जुलाई को इसका समापन होगा। देश में यह एक नई समस्या पैदा कर दी गई है। बच्चों की परीक्षा ठीक से नहीं लेना। उनका भविष्य यहीं से लड़खड़ना शुरू कर देता है। विद्यार्थियों के बाद आने वाली पीढ़ी युवाओं का हाल पहले से बुरा है। नौकरियां बंद कर दी गई हैं। बेरोजगारी का यह हाल है कि ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिग्रियां लिए हुए युवाओं को वह काम करना पड़ रहे हैं जहां उनकी पढ़ाई की कोई जरूरत ही नहीं है। सेल्समेन, टू व्हीलर लेकर जमेटो स्वीगी का खाना पहुंचाने का काम, केब ड्राइवर, सुरक्षा गार्ड जैसे वह काम करना पड़ रहे हैं जहां ज्यादा शिक्षा का काम ही नहीं है। कम पढ़े लिखे, नहीं पढ़े–लिखे, ज्यादा पढ़े लिखे सब एक लाइन में खड़े कर दिए मोदी जी ने। इस दबी हुई समस्या को राहुल ने उठाना शुरू किया। उन्हीं के प्रयासों से गिग वर्कर (ऐसे ही छोटा मोटा काम करके गुजारा करने वाले) की हालत पर थोड़ी चर्चा शुरू हुई और समस्या की पहचान हुई। यह रोजगार नहीं है। मजबूरी है। देश की युवा शक्ति के साथ मजाक। कहते हैं भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। मगर वह युवा करता क्या है। निराशा में जीता हुआ। जवानी खत्म हो रही है। आज के छात्र उस स्थिति में जाने को तैयार नहीं हैं। इसलिए पहली बार वे नीट की परीक्षा में पेपर लीक और फिर सीबीएसई की परीक्षा में गड़बड़ी पर सामने आए। अब राहुल उनकी आवाज बन गए हैं। और राहुल यह बात समझकर अब ज्यादा प्रेक्टिकल एप्रोच से सामने आए हैं। उनका इंडिया गठबंधन की बैठक में दिया भाषण बहुत चर्चित हो रहा है। उसके आदर्शवादी पक्ष पर बहुत बातें हो रही हैं। अच्छी बात है। राहुल शुरू से आदर्शवादी रहे हैं। भाजपा के दुष्प्रचार का इतना लंबा मुकाबला उन्होंने अपने इन आदर्शवादी मूल्यों से ही किया। 2004 से लेकर आज तक। 22 साल हो गए हैं। इतने लंबे समय हजारों करोड़ रुपया खर्च करके किसी के खिलाफ भी ऐसा सुनियोजित अभियान चलाया जाता तो वह खत्म हो जाता। मगर अपने उसूलों पर टिके राहुल आज भी उतनी हिम्मत और अंग्रेजी में जिसे कहते हैं कूल रहकर (शांत और संयमित) उस झूठे प्रचार को गलत साबित कर रहे हैं। मगर जनता खासतौर से युवा और छात्र अब बर्दाश्त नहीं कर सकते। उनके सब्र की सीमाएं टूट रही हैं। देश में जो हो रहा है वह तो है ही। आर्थिक स्थिति पूरी तरह बर्बाद हो गई है। केवल गलत आंकड़ों के जरिए लोगों को बहकाया जा रहा है। तेल और गैस की कीमतें बढ़ने से छोटा कारोबार करने वाले सब तबाह हो गए हैं। घरेलू स्थिति में कुछ भी अच्छा नहीं है। और उधर विदेश से भी तगड़ी मार पड़ रही है। अमेरिका ने हमारे तीन जहाजी मार डाले और कह रहा है कि हुकुम की नाफरमानी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हत्याओं को जस्टिफाई कर रहा है। मगर प्रधानमंत्री मोदी खामोश हैं। मौन डॉ. मनमोहन तो बहुत कहा। मगर अब दुनिया देख रही है कि मोदी मौन हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बहुत कड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कंप्रोमाइजड प्रधानमंत्री के राज में भारतीय होने का मतलब दुर्गति है। बड़ा नेता वही होता है जो सही समय पर जवाब देता है। याद है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। मगर वह कोई उदाहरण नहीं पाए। था ही नहीं। भारत ने सारी तरक्की 2014 से पहले की थी। मगर रविवार को जो राहुल ने ट्वीट किया वह ओमान तट पर फंसे जहाज के कप्तान की मदद की गुहार के बाद था। वहां जहाज के सैंकंड आफिसर निशांत के न रहने पर उसका शव जहाज पर खराब हो रहा है। कोई मदद नहीं हो रही। कप्तान का मैसेज बहुत दर्दनाक है। उसके बाद ही राहुल ने कहा कि विदेशी ताकत हमारे नागरिकों को मारती है। और हमारी सरकार अपने आदमी को सड़ने के लिए छोड़ देती है। इस भारतीय को घर लाइए। इससे पहले तीन जहाजियों की अमेरिका द्वारा हत्या जो अलग मामला है पर भी राहुल ने देश की भावनाओं के अनुरूप बहुत कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि न अफसोस न माफी! बल्कि अमेरिका कह रहा है अमेरिकी सेना के आदेश मानें। कोई हुक्म ऊदूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राहुल ने कहा देश यह नहीं सहेगा। मगर प्रधानमंत्री एक आज्ञाकारी नौकर की तरह सुनते और आदेश मानते हैं। स्थिति चारों तरफ से खराब है। और अब प्रधानमंत्री मोदी के बस में नहीं है कि वे आन्तरिक या बाहरी किसी भी स्थिति का सामना कर पाएं। राहुल देश की परिस्थितियों को समझ रहे हैं। इसलिए पहले कांग्रेस के आदिवासी सम्मेलन में उन्होंने कहा कि मोदी एक साल के अंदर चले जाएंगे। और फिर अभी इंडिया गठबंधन की मीटिंग में अपने विपक्षी दलों के साथियों से कहा कि निराश होने की जरूरत नहीं है। अब वह समय आ गया है। अगला चुनाव आप जीतने वाले हैं। जनता में बहुत गुस्सा है। वे चाहे जितनी चुनाव धांधली करें जनता अब उन्हें हरा कर मानेगी। जनता यही उम्मीद चाहती है। विपक्ष भी। राहुल अब यह भरोसा दिलाने में कामयाब हो रहे हैं। और एक बार भरोसा हो जाता है तो जैसे नेपोलियन ने कहा था कहां है आल्पस पर्वत? कहीं नहीं और पूरी सेना इस अलंघ्य पर्वत को पार कर गई थी।

महंगा होता इलाज

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है। एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी–टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है। निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बहुत संभव है कि अमेरिका–ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर–गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे। दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है। दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर–दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है। इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है। उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके। इसके अलावा, दवाइयों की कीमतों से जुड़ी नीतियों की समय–समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि वास्तव में दवाइयों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है।

कौन हैं `राख' वेब सीरीज की सुमन ? किरदार से लगाए चार चांद

हाल ही में रिलीज हुई अली फजल की वेब सीरीज 'राख' बीते कुछ दिनों से काफी चर्चाओं में है। इसमें दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार निभाया है, जिनका अपहरण हो जाता है और सीरीज की पूरी कहानी उन्हें ढूंढने और अपराधी को पकड़ने के इर्द गिर्द घूमती है। दिव्या शर्मा एक नई और उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने हाल ही में आई क्राइम–थ्रिलर वेब सीरीज 'राख' में 'सुमन' का किरदार निभाकर काफी ध्यान खींचा है। इस सीरीज में उनका रोल बेहद अहम है, क्योंकि कहानी सुमन और उसके भाई के अचानक गायब होने के इर्द–गिर्द घूमती है। दिव्या ने इस किरदार को बहुत ही सादगी और इमोशन के साथ निभाया है, जिससे दर्शकों पर गहरा असर पड़ा है। सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। इसके बाद पूरी कहानी उनकी तलाश और इस रहस्य को सुलझाने पर आधारित होती है। दिव्या शर्मा की एक्टिंग इस किरदार में काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आईं थीं। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं। इससे पहले वे ककून नाम की मिनी सीरीज में नजर आ चुकी हैं। वेब सीरीज राख रिलीज हो चुकी है। यह सीरीज 1978 के कुख्यात रंगा–बिल्ला केस से प्रेरित है, जिसे भारत के सबसे खौफनाक अपराधों में गिना जाता है। इसमें अली फजल और सोनाली बेंद्रे अहम भूमिका में हैं। वहीं आकाश मखीजा, रमनदीप यादव, दिव्या शर्मा और विवान शर्मा भी वेब सीरीज में खास भूमिका निभाते हैं। वेब सीरीज राख का निर्देशन 'परी' और 'पाताल लोक' जैसी डार्क दुनिया रच चुके प्रोसित रॉय ने किया है। यह 12 जून से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है।

> दिव्या शर्मा की एक्टिंग इस किरदार में काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आईं थीं। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं।

'हमारा कोई मुकाबला नहीं', अमाल मलिक के साथ तुलना पर क्या बोलीं तान्या मित्तल? सोशल मीडिया पर दिया खुलकर जवाब

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है। बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने–अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक ।ड। (आस्क मी एनीथिंग) सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती। मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।' उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं। मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।' तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं। यह शो हर शुक्रवार को रिलीज होता है और EE5 पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

तमन्ना, विजय और फातिमा को साथ देखकर चौंके फैंस, इस बात पर हुई तमन्ना की तारीफ

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने लगभग दो साल तक एक–दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। अब ब्रेकअप के काफी समय बाद उनका, तमन्ना और फातिमा सना शेख का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें विजय वर्मा, तमन्ना और फातिमा साथ में नजर आ रहे हैं। वीडियो में तमन्ना सूट पहने नजर आ रही हैं और काफी शांत स्वभाव के साथ दोनों एक्टर्स के साथ फोटो खिंचवाती नजर आईं। वहीं दूसरे सीन में तीनों एक्टर पैप्स के सामने पोज देते नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद फैंस तमन्ना के शांत स्वभाव की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया– 'ब्रेकअप के बाद भी तमन्ना विजय का सम्मान करती हैं। ये देखकर काफी अच्छा लगा।' वहीं दूसरे ने कमेंट किया– 'रसपेक्ट फॉर तमन्ना, प्यार से बड़ा सम्मान होता है।' वहीं कुछ यूजर ने एक्टर्स के प्रोफेशल रहने की तारीफ की है। दरअसल, पहले विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया एक–दूसरे को डेट कर रहे थे लेकिन पिछले साल इनका ब्रेकअप हो गया। इस ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा, फातिमा सना शेख के साथ कई जगहों पर नजर आए। ऐसे में इनकी लिंकअप की अटकलें लगने लगीं। लेकिन फातिमा और विजय वर्मा ने इन बातों को लेकर कुछ नहीं कहा, न ही अपना रिश्ता कंफर्म किया। विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने लगभग दो साल तक एक–दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर मार्च 2025 में अलग होने का फैसला किया। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण सामने नहीं आया।

फूलों का झुमका, फ्लॉवर प्रिंट ड्रेस...और खूबसूरती का जादू, बालकनी में मोनालिसा ने दिए दिलकश पोज

अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा! भोजपुरी इंडस्ट्री का चर्चित नाम, जिन्होंने कई टीवी सीरियल में भी काम किया है। मोनालिसा अपनी एक्टिंग को लेकर जितनी चर्चा बटोरती हैं, उससे ज्यादा सुर्खियां उन्हें अपने लुक की वजह से मिलती है। सोशल मीडिया पर वे अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। आज मंगलवार को मोनालिसा ने दिलकश फोटोज साझा किए हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इनमें वे व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस पहनी हैं, जिस पर फ्लॉवर प्रिंट डिजाइन है। अभिनेत्री बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने सफेद फूलों को झुमकों की तरह कानों में अटकाया हुआ है। मोनालिसा तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वे नियमित वर्कआउट करती हैं। मोनालिसा के इस लुक पर नेटिजंस तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, बेहद आकर्षक। स्टाइल में आपका मुकाबला नहीं। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी एक्टर विक्रांत सिंह से हुई है। दोनों को बीते दिनों द 50 शो में देखा गया था। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर ही 5.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

मलयालम सिनेमा में करण जौहर का पहला कदम, पृथ्वीराज सुकुमारन की ओडियन का एलान, फिल्म में लीड अभिनेत्री कौन?

फिल्म ओडियन–द एज ऑफ इल्यूजन का आधिकारिक एलान हो चुका है। इस फिल्म का पोस्टर जारी हुआ है, जिसे करण जौहर ने शेयर किया है। यह फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी। इस तरह निर्माता का यह मलयालम सिनेमा जगत में पहला कदम है। बता दें कि श्ओडियनश में पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। उनके साथ लीड एक्ट्रेस कौन हैं? जानिए बाकी डिटेल फिल्म ओडियन के निर्देशन की कमान राहुल सदाशिवन के कंधों पर हैं। वहीं, फिल्म में पृथ्वीराज के साथ मंजू वारियर अहम भूमिका में नजर आएंगी। करण जौहर ने फिल्म का पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने इसे लेकर उत्साह जाहिर किया है। करण जौहर ने लिखा है, धर्मा मूवीज में हम मलयालम सिनेमा की दुनिया में अपना पहला कदम रख रहे हैं और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे साथ इसके लिए सबसे अच्छे पार्टनर हैं। करण जौहर ने आगे लिखा है, पृथ्वीराज, हमने साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और उम्मीद है कि आगे भी ऐसे कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम करेंगे। हमें अपनी फिल्म ओडियन का एलान करते हुए गर्व हो रहा है, जिसे बेहद प्रतिभाशाली राहुल सदाशिवन डायरेक्ट कर रहे हैं। लोककथाओं पर आधारित डरावनी कहानियाां कहने का उनका हुनर आज के सिनेमा के दौर में एक कमाल की बात है। इसे स्क्रीन पर साकार कर रही हैं शानदार मंजू वारियर और बेशक, हमारे पसंदीदा पृथ्वीराज। फिल्म ओडियन का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और सुप्रिया मेनन द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म केरल की लोक–कथाओं के एक डरावने शेप–शिफ्टर (रूप बदलने वाले जीव) के बारे में है। उसका गुस्सा एक ताकतवर और महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवार पर टूट पड़ता है, जिससे सच और भ्रम के बीच एक ऐसी लड़ाई शुरू होती है जिसमें पौराणिक कथाओं, खतरे और मनोवैज्ञानिक गहराई का का संगम देखने को मिलता है।

क्या ब्लड ग्रुप के हिसाब से खाना खाना सेहत पर डालता है असर, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

खानपान का सेहत से गहरा रिश्ता है। डायबिटीज हो या फिर लीवर की बीमारी, पतले होना हो या फिर हेल्दी रहना हो, हमेशा खानपान पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है। इसलिए न्यूट्रिशनिस्ट लोगों ने कई तरह की डाइट भी बनाई है। इसी में से एक है ब्लड टाइप डाइट। जिसमे ब्लड ग्रुप के अनुसार खाना खाने से बॉडी पर असर अलग होता है। इंडिया टुडे में छपी खबर के मुताबिक न्यूट्रोपैथी फिजिशियन डॉक्टर पीटर डी एडमो ने सबसे पहले ब्लड टाइप डाइट के बारे में बताया। ब्लड टाइप डाइट के हिसाब से शरीर का अलग ब्लड ग्रुप फूड के साथ अलग–अलग तरह से कैमिकली रिएक्ट करता है।

ब्लड टाइप डाइट क्या है

ब्लड टाइप डाइट में ब्लड ग्रुप के अनुसार खाना खाना चाहिए। हर फूड का अलग ब्लड ग्रुप पर अलग असर होता है। अगर आप ब्लड ग्रुप के अनुसार खाते हैं तो ये ओवरऑल हेल्थ को सही रखने में मदद करता है और क्रोनिक डिसीज के खतरे को कम करता है। सबसे ज्यादा लोग चार ब्लड ग्रुप के होते हैं। ब्लड ग्रुप– ए, बी, ओ और एबी।

इन लोगों को इस तरह के फूड को खाना चाहिए।

ब्लड ग्रुप के हिसाब से डाइट

ब्लड ग्रुप ओ की डाइट

एक्सपर्ट के मुताबिक ओ ब्लड ग्रुप के लोगों को हमेशा लो कार्बोहाइड्रेट फूड और हाई प्रोटीन डाइट को फॉलो करना चाहिए। ऐसे खाने को खाकर वो लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं और तमाम तरह की बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

ब्लड ग्रुप ए की डाइट

ब्लड ग्रुप ए के लोगों को हमेशा प्लांट बेस्ट फूड खाने चाहिए। इन्हें नॉन वेज फूड्स से दूर रहना चाहिए। वहीं बात जब वेट लॉस की आती है तो ब्लड ग्रुप ए के लोगों को हमेशा प्रोसेस्ड और शुगरी फूड से बचना चाहिए। जो कि वजन बढ़ने का मेन कारण होते हैं।

ब्लड ग्रुप बी की डाइट

ब्लड ग्रुप बी टाइप के लोगों को मीट और डेयरी प्रोडक्ट फायदा पहुंचाते हैं।

ब्लड ग्रुप एबी की डाइट

ब्लड ग्रुप ए और बी को मिलाकर एबी ग्रुप बना होता है। इस ब्लड ग्रुप के लोगों को सोयाबीन, टर्की, सीफूड और सब्जियां खाना चाहिए। ये इनकी सेहत पर गहरा असर डालती हैं।

कभी घर में बनाया है मोजरेला चीज? इस रेसिपी से घर में करें ट्राई

पिज्जा हो या सैंडविच, बर्गर हो या फिर पोटैटो बॉल्स चीज के बगैर इन सारे स्नैक्स का स्वाद अधूरा लगता है। बच्चों को चीज तो इतना पसंद होती है कि अब तो मां परांठे भी चीज भरकर बनाती हैं। तो अगर आपके बच्चे भी चीज के इतने ही प्रेमी है तो हर बार बाजार से चीज क्यों खरीदकर लाना। इस बार आप

मोजरेला चीज को घर में बनाकर ट्राई कर सकती हैं। इसे बनाना बहुत मुश्किल नही है। बस थोडी सी मेहनत से और केवल दो सामग्री से मोजरेला चीज को तैयार किया जा सकता है। तो चलिए जानें कैसे घर में बनाएं मोजरेला चीज। ये रही रेसिपी।

मोजरेला चीज बनाने की सामग्री

3 लीटर दूध

1 कप विनेगर

25 ग्राम नमक

मोजरेला चीज बनाने का तरीका

–3 लीटर दूध को किसी गहरे बर्तन में डालकर उबाल लें। उबालकर दूध को किनारे ठंडा होने के लिए रख दें।

–जब दूध हल्का गुनगुना रह जाए तो इसमे विनेगर मिलाएं और करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें।

–आधे घंटे बाद चेक कर लें कि दूध अच्छी तरह से फटकर पानी छोड़ चुका है कि नहीं।

–फट चुके दूध को किसी मलमल के कपड़े की मदद से छान लें।

–पानी को अलग कर लें और फटे दूध को अलग रख लें।

–अब फटे दूध के पानी को नमक मिलाकर उबालें।

–पानी से अलग हुए चीज को किसी प्लेन सतह पर रखकर हाथों की मदद से स्ट्रेच करें और मिक्स करें। इसी तरह के करीब दस मिनट तक करते रहें।

–फिर इसे नमक मिले उबले पानी में चीज को स्ट्रेनर में रखकर डुबोएं। अगर स्ट्रेनर नहीं है तो कपड़े में लपेटकर डुबोएं।

–ऐसा करीब चार से पांच बार करें। और चीज को बाहर निकालकर छोटे बॉल्स बना लें। इसे फ्रिज में चिल कर लें और तैयार है आपका मोजरेला चीज।

–इसे पिज्जा, सैंडविच या सलाद पर डालकर एंज्वॉय करें।

गर्मियों के मौसम में वरदान हैं ये फल, बस खाने से पहले ध्यान रखें ये बातें

फल हमारी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। इन्हें खाने से शरीर को विटामिन्स और मिनरल्स मिलते हैं। गर्मी में आने वाले कुछ फल पेट को ठंडा रखते हैं। वहीं कुछ ऐसे फल भी हैं जो डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ताजे फलों को गलत तरह से खाने पर परेशानी हो सकती है।आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ दीक्षा भावसार ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में ताजे फलों को खाने की टिप्स शेयर की हैं। जानिए–

ताजे फलों को खाने पर क्या कहता है आयुर्वेद

आयुर्वेद में ताजे फल को बहुत हल्का और पचने में आसान माना जाता है। खाने की दूसरी चीजों की तुलना में ये हल्के होते हैं। ऐसे में जब इन्हें भारी खाने के साथ (या बाद में) खाया जाता है, तो यह पेट में तब तक रहता है जब तक कि सबसे भारी खाना पच नहीं जाता। बहुत लंबे समय तक पेट में रहने की वजह से ये हमारे पाचक रसों द्वारा ओवरकुक किया जाता है और किण्वन करना शुरू कर देता है। यह नम, अम्लीय अपशिष्ट हमारे पाचन तंत्र में जमा हो जाते हैं जहां यह हमारे पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। इनकी वजह से हमारे पाचन रसों के उत्सर्जन में परेशानी होती है। पोषक तत्वों का अवशोषण और संभावित रूप से अपच और आंत में सूजन आ सकती है।

गर्मियों के लिए बेस्ट फल

जामुन

नारियल पानी

आम

खरबूजा

बेरीज

नींबू

ताड़

फल खाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें–

– फल अकेले खाएं और खाने के साथ या बाद में नहीं।

– खाने के 1 घंटे पहले या 2 घंटे बाद फल खा सकते हैं।

– खाने के साथ या बाद में कभी भी अपने फल न लें।

– अपने फलों को दूध या दही के साथ न मिलाएं

– फलों का रस तभी लें जब आपका पाचन खराब हो, ठीक से – चबा नहीं सकते या कमजोरी हो।

– दिन या रात में देर से फल न खाएं।

दूध के साथ फल मिलाने पर एक्सपर्ट की सलाह

– शुद्ध मीठे और पके फलों के साथ ही दूध नहीं पीएं।

– पके मीठे आम को दूध के साथ मिलाकर खाया जा सकता है।

– एवोकाडो को दूध के साथ मिलाया जा सकता है।

– सूखे मेवे जैसे किशमिश, खजूर और अंजीर दूध के साथ ले सकते हैं।

– दूध के साथ सभी बेरीज को मिलाने से बचें। क्योंकि जब हम दूध में जामुन मिलाते हैं, तो हो सकता है कि दूध एकदम से ना फटे, लेकिन हमारे शुरुआती पाचन के बाद यह फट जाएगा।

– केले भले ही मीठे हों लेकिन दूध के साथ खाने पर पाचन के बाद का इनका प्रभाव खट्टा होगा, इसलिए दोनों को एक साथ नहीं लेना चाहिए।

– दूध और फल अलग–अलग खाना एक अच्छा ऑप्शन है।

गर्मियों के लिए बेस्ट हैं लिपस्टिक के ये शेड्स, मिलेगा क्लासी और एलीगेंट लुक

गर्मियों में धूप, धूल और पसीने से हम सभी परेशान हो जाते हैं। यहां वॉर्डरोब में हल्के और कंफर्टेबल कपड़े नजर आने लगे हैं तो मेकअप के भी कई प्रोडक्ट्स में बदलाव होता है। क्योंकि गर्मियों में फेस पर लंबे समय तक मेकअप टिक नहीं पाता है। मेकअप में लिपस्टिक सबसे जरूरी प्रोडक्ट होता है। इसके बिना पूरा लुक अधूरा लगता है। अगर बात करें लिपस्टिक के परफेक्ट शेड की तो गर्मी के मौसम में इसके चयन में काफी ध्यान देने की जरूरत होती है।

हालांकि कई लड़कियां ऐसी होती हैं, जिनको लिपस्टिक के शेड्स के बारे में ज्यादास जानकारी नहीं होती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लिपस्टिक के कुछ ऐसे शेड्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपको गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट हैं। अपनी पसंद के हिसाब से आप इन लिपस्टिक के शेड्स को अपने मेकअप कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं।

पीच रंग

पीच रंग हर लड़की को काफी ज्यादा पसंद होता है। वहीं गर्मी के मौसम में इस रंग की लिप्सटिक लगाने से आपको परफेक्ट लुक मिलेगा और पूरा दिन आपका चेहरा खिला–खिला रहेगा। डार्क रंग के आउटफिट के साथ आप पीच रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं।

न्यूड रंग

बता दें कि आजकल न्यूड कलर काफी ट्रेंड में चल रहा है। वहीं अगर आप मैटेलिक आउटफिट पहन रही हैं तो न्यूड रंग की लिपस्टिक आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगी। न्यूड रंग देखने में क्लासी और एलीगेंट लगता है।

ब्राउन रंग

हर स्किन की लड़कियां इस रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं। एक समय पर ब्राउन रंग की लिपस्टिक हर कोई लगाना पसंद नहीं करता था। लेकिन आज के समय में हर कोई ब्राउन रंग की लिपस्टिक लगाना पसंद करता है।

प्लम रंग

अगर आपको भी ऑफिस लुक के लिए कोई लिपस्टिक लगानी है तो प्लम रंग आप पर काफी जचेगा। इस रंग की लिपस्टिक को आप इंडियन और वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेस के साथ लगा सकता है।

मर्दों के शरीर पर उगे घने बाल बन सकते हैं कई सारी बीमारियों की वजह

शरीर पर उगे बाल महिलाओं को जरा भी पसंद नहीं होते। तभी तो वैक्सिंग, थ्रेंडिंग, रेजर, लेजर टैक्नीक से वो इसे हटाती रहती हैं। हाथ–पैर से लेकर कमर और बिकिनी एरिया के बालों को हमेशा साफ कर लेती हैं। लेकिन पुरुष अक्सर बालों को लेकर सजग नहीं होते। लेकिन शरीर पर उगे घने बाल काफी सारी बीमारियों की वजह बन जाते हैं। वैसे तो शरीर पर उगे बाल पूरी तरह से जींस पर डिपेंड करते हैं। लेकिन कई बार इन घने बालों की वजह अलग होती है।

आखिर क्यों उगते हैं शरीर पर मोटे–घने बाल

जेनेटिक वजह के अलावा कई बार बालों के शरीर पर मोटे और घने उगने की वजह हार्मोंस भी होते हैं। शरीर में एंड्रोजेंस के बढ़ने की वजह से बाल घने और मोटे हो जाते हैं। वहीं हार्मोंस की गड़बड़ी की वजह से होने वाली बीमारी एड्रनल ग्लैंड्स पर असर डालती है। जिसकी वजह से शरीर पर घने और मोटे बाल निकलने लगते हैं।

पुरुषों में हेयर ग्रोथ पैटर्न पर अक्सर टेस्टेरॉन लेवल के फलचुएशन का असर होता है। जिसकी वजह से कई बार ज्यादा या कम हेयर ग्रोथ होती है। ज्यादा हेयर ग्रोथ होने से स्किन को काफी सारी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

पुरुषों में ज्यादा हेयर ग्रोथ से होती है ये समस्याएं

इरिटेशन और खुजली

बॉडी पर बालों के घनी और ज्यादी मात्रा इरिटेशन का कारण बनती है। खासतौर पर अंडरआर्म्स, थाईज और बॉडी के दूसरे पार्ट्स में उगे बाल आपस में घिसते हैं। जिसकी वजह से इरिटेशन और खुजली की समस्या होने लगती है।

रैशेज

कई बार मोटे और घने–कड़े बाल स्किन पर रैशेज का कारण बनते हैं। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में पसीने की वजह से बैक्टीरिया इन जगहों पर ज्यादा तेजी से पनपते हैं और जलन, रैशेज जैसी समस्या होने लगती है।

पसीना

ज्यादा हेयर ग्रोथ की वजह से पसीना भी ज्यादा होता है। हेयर का काम बॉडी हीट को मेंटेन करके रखना है। बॉजी पर ज्यादा हेयर बॉडी में गर्मी पैदा करते हैं। जिसकी वजह से अनकंफर्ट और ज्यादा पसीना निकलता है।

बॉडी से बदबू

पसीना और रैशेज के साथ ही ज्यादा हेयर ग्रोथ की वजह से बॉडी से बदबू भी ज्यादा आती है।

फोड़े–फुंसी

एक्सेसिव हेयर ग्रोथ की वजह से स्किन पर दाने, फोड़े और फुंसियां भी ज्यादा निकलती हैं। इसलिए जरूरी है कि इन एक्सेसिव हेयर को रिमूव किया जाए।

संक्षिप्त

निशानेबाज जसपाल राणा के परिवार से दुखद खबर आई सामने, मां का निधन, बेटे के जाने का गम नहीं सह पाई

देहरादून,एजेंसी। भारतीय निशानेबाजी जगत के दिग्गज खिलाड़ी और कोच जसपाल राणा के परिवार से एक और दुखद खबर सामने आई है। बेटे के निधन के गम से उबर नहीं पाने के बाद उनकी मां श्यामा देवी राणा का भी निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एक आर्मी अस्पताल में अंतिम सांस ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नारायण सिंह राणा की धर्मपत्नी श्यामा देवी राणा (78 वर्ष) का नई दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। 12 जून को जसपाल राणा के निधन के बाद उनकी मां की स्थिति और बिगड़ गई थी। आज उनका निधन हो गया। जिससे शोक संतप्त परिवार पर फिर से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बता दें कि उत्तराखंड टिहरी जिले के चिलामू गांव निवासी जसपाल राणा भारत के पिस्टल निशानेबाजों के लिए हाई–परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्यरत थे। म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप से भारत लौटते समय वह असहज महसूस कर रहे थे। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद दिल्ली के अस्पताल में उनकी स्टेंट सर्जरी भी हुई थी। वे रिकवर हो रहे थे, लेकिन अचानक उनके निधन की खबर सामने आई। महज 18 साल की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाकर दुनिया को चौंकाने वाले जसपाल राणा ने राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भारत का परचम हमेशा बुलंद रखा।

क्यों टूटा हुआ महसूस कर रहे स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल? तकनीक के इस्तेमाल की उठाई मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पॉज्नान चौलेंजर के शुरुआती राउंड में एक विवादित अंपायरिंग कॉल के बाद टेनिस में रेफरी सिस्टम की आलोचना की है। मंगलवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी और निराशा जाहिर की। नागल ने बताया कि एक पॉइंट के दौरान वह गेंद की ओर दौड़े, जो स्पष्ट रूप से आउट थी। उस समय कोर्ट पर लाइन जज और चेयर अंपायर मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी कॉल नहीं दिया। उन्होंने लिखा ष्मैंने तुरंत हाथ उठाया, लेकिन अंपायर ने कहा कि उन्होंने नहीं देखा। इसके बाद उन्होंने नीचे जाकर मार्क चेक करने से भी मना कर दिया। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि एटीपी नियमों के तहत खिलाड़ी को गेंद के बाउंस के बाद एक बार स्ट्राइक करने और फिर कॉल को चुनौती देने की अनुमति होती है, बशर्ते खेल पर असर न पड़े। नागल का कहना है कि उनकी अपील भी इन्हीं नियमों के तहत थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सही सुनवाई नहीं मिली। नागल ने दावा किया कि उन्हें एक ही पॉइंट में तीन गलत फैसलों का सामना करना पड़ा न कॉल दिया गया, न रेफरी नीचे आए और न ही उनकी अपील को सही तरीके से देखा गया। उन्होंने कहा कि उस समय मैं बहुत निराश और टूटा हुआ महसूस कर रहा था, क्योंकि मैं खुद का बचाव भी नहीं कर सका। उस पॉइंट के बाद आगे खेलना मेरे लिए भावनात्मक रूप से मुश्किल हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने टेनिस में अंपायरों की जवाबदेही पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को गलतियों के लिए आर्थिक दंड मिलता है, लेकिन अंपायरों पर ऐसी कोई जवाबदेही नहीं होती। नागल ने एटीपी और इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) से अपील करते हुए कहा कि चौलेंजर स्तर के मैचों में तकनीक का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि गलत फैसलों से बचा जा सके। उन्होंने लिखा ष्2026 में जब तकनीक उपलब्ध है, तो मैच सिर्फ रेफरी पर निर्भर नहीं होने चाहिए। खिलाड़ियों को भी अपने बचाव का मौका मिलना चाहिए।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन हरियाली, सेंसेक्स 300 अंक चढ़ा, निफ्टी 23900 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। ईरान–अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों के चलते बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का दौर जारी है। मंगलवार की सुबह शेयर बाजार हरे निशान में खुला। बीएसई सेंसेक्स 300.03 अंक (0.39प्रतिशत) की मजबूत बढ़त के साथ 76,564.36 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 75.15 अंक (0.32प्रतिशत) चढ़कर 23,929.05 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 94.53 पर पहुंच गया, क्योंकि तेल की कीमतों में तेज गिरावट और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से घरेलू मुद्रा के पक्ष में अल्पकालिक रुझान बदल गया है। इस लगातार शानदार उछाल के पीछे सबसे बड़ा कारण भू–राजनीतिक मोर्चे से आ रही एक सकारात्मक खबर है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते के फ्रेमवर्क को लेकर बन रही उम्मीदों ने बाजार के सेंटीमेंट को मजबूत किया है। इसी आशावाद के चलते पिछले दो कारोबारी सत्रों में बेंचमार्क इंडेक्स पहले ही तीन फीसदी तक की बड़ी छलांग लगा चुके हैं। बाजार की इस तेजी को लीड करने में मुख्य रूप से आईटी और फाइनेंस सेक्टर का हाथ रहा। शुरुआती कारोबार में एचसीएल टेक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में शानदार खरीदारी देखने को मिली और दोनों कंपनियों के शेयर दो–दो फीसदी तक उछल गए।

वैभव वाले विवाद के बाद भारतीय टीम से बाहर हुआ यह खिलाड़ी, क्या है वजह? अशोक शर्मा बने रिप्लेसमेंट

दांबुला,एजेंसी। श्रीलंका में जारी त्रिकोणीय सीरीज के बीच इंडिया ए टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज युधवीर सिंह चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। अशोक शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए अपनी तेज गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया था। इस युवा तेज गेंदबाज ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी रफ्तार से सबको चौंका दिया। उन्होंने 150 किमीध्घंटा की गति का आंकड़ा दो बार पार किया। 16वें ओवर में उन्होंने पहले डोनोवन फरेरा को 150.7 किमीध्घंटा की तेज गेंद फेंकी, जबकि उसी ओवर की आखिरी गेंद पर ध्रुव जुरेल को 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से चौंका दिया। यह आईपीएल 2026 की अब तक की सबसे तेज गेंद थी। अब इसी प्रदर्शन के दम पर अशोक शर्मा को श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में परेशानी महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह का दर्द हुआ था। बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि विशेषज्ञ से सलाह के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने युधवीर को पूर्ण रूप से फिट होने के लिए चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम अपनाने की सलाह दी है। वह दाएं कंधे की रोटेटर कफ चोट से जूझ रहे हैं और बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में रिहैब करेंगे।

त्रिकोणीय सीरीज में इंडिया ए का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम को

लगातार दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। भारत ए को अफगानिस्तान ए और मेजबान श्रीलंका ए के खिलाफ हार मिली है। बता दें कि भारत ए और श्रीलंका ए के बीच मुकाबला 265–265 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद खराब रोशनी के बावजूद सुपर ओवर खेला गया, जिसे लेकर पहले से ही विवाद था। सुपर ओवर में श्रीलंका ए ने जीत दर्ज की। मैच खत्म होने के बाद कथित तौर पर श्रीलंकाई खिलाड़ी विशेन हलाम्बागे ने वैभव सूर्यवंशी से कहा, श्मैच खत्म हो गया, अब घर जाओ।श बताया जाता है कि इसी टिप्पणी के बाद वैभव नाराज हो गए और दोनों खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। वायरल वीडियो में दोनों खिलाड़ियों को एक–दूसरे के करीब आकर बहस करते देखा गया, जिसके बाद साथी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने बीच–बचाव किया। विवाद को और बढ़ाने वाली बात यह रही कि मैच में भारत ए पर पहले ही 10 पेनल्टी रन लगाए गए थे और खराब रोशनी में सुपर ओवर कराने के फैसले पर भी सवाल उठे। ऐसे में मुकाबले के बाद मैदान का माहौल पहले से ही काफी गर्म था, जिसने इस विवाद को और तूल दे दिया। भारत ए टीम– तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय और अशोक शर्मा।

दूसरे वनडे में खेलते ही रोहित शर्मा रचेंगे कीर्तिमान, किस मामले में राहुल द्रविड़ को छोड़ेंगे पीछे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 17 जून को भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जाने वाले दूसरे वनडे मुकाबले में मैदान पर उतरते ही अपने शानदार क्रिकेट करियर में एक और बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लेंगे। अनुभवी बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगे। फिलहाल रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। इस मुकाबले के बाद द्रविड़ पांचवें स्थान पर खिसक जाएंगे और रोहित उनसे आगे निकल जाएंगे। रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और फिलहाल केवल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। रोहित शर्मा ने जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला था। वह महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे थे। हालांकि, उन्हें 2011 वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद धोनी ने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका दिया और वहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। रोहित ने 2019 में भारतीय टेस्ट टीम में भी अपनी जगह मजबूत की। रोहित शर्मा अब तक भारत के लिए 283 वनडे, 67 टेस्ट और 159 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 4301 रन बनाए हैं, जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 4231 रन दर्ज हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। वहीं, राहुल द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था। उन्होंने साल 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। फिलहाल रोहित और द्रविड़ दोनों के नाम 509–509 अंतरराष्ट्रीय मैच दर्ज

हैं। इस सूची में विराट कोहली 559 मैचों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह अन्य दो प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद अब केवल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने भारत के लिए 538 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। धोनी आखिरी बार 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर नजर आए थे और उन्होंने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

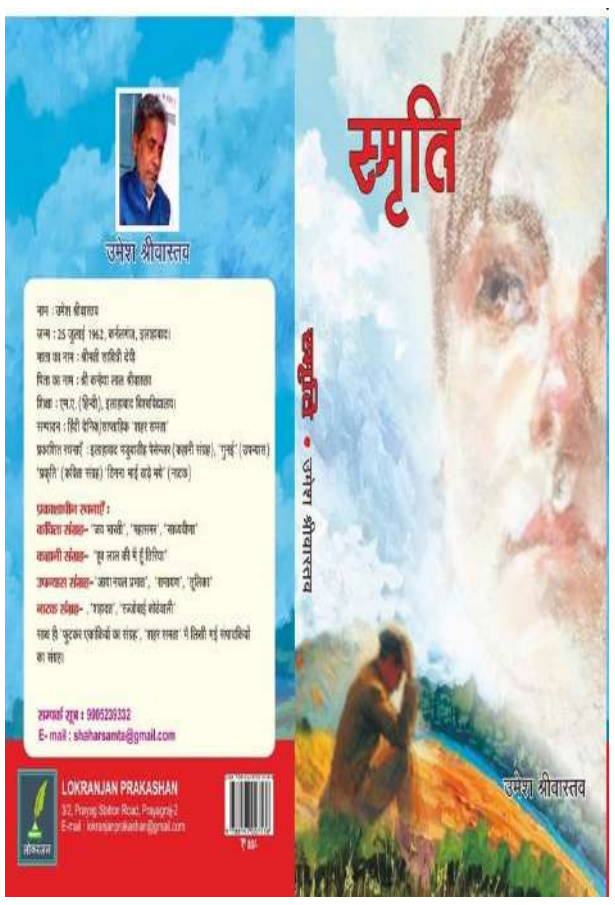

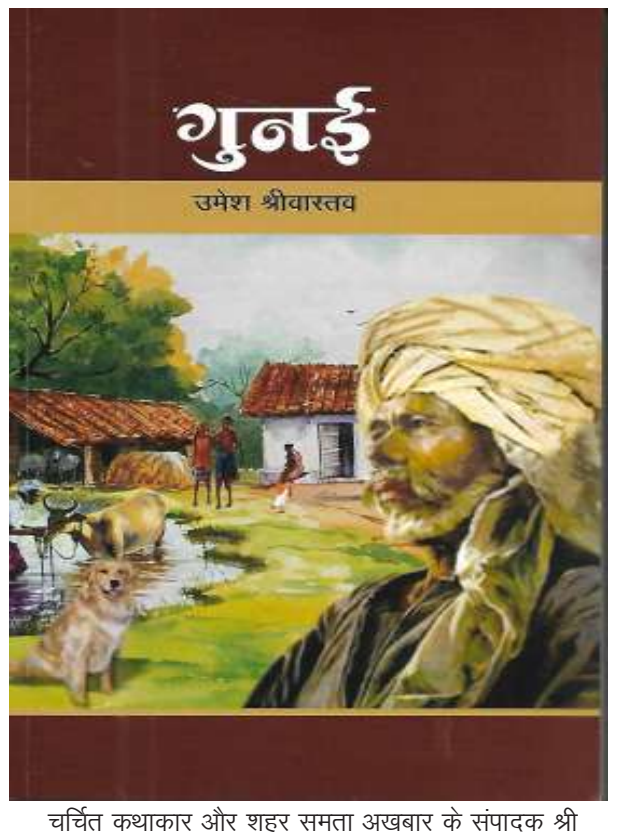

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

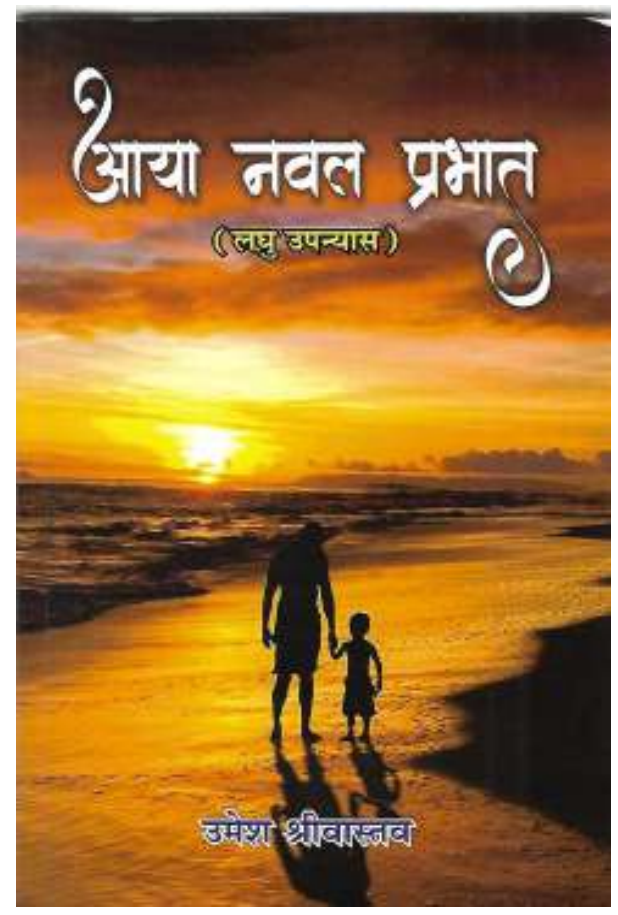

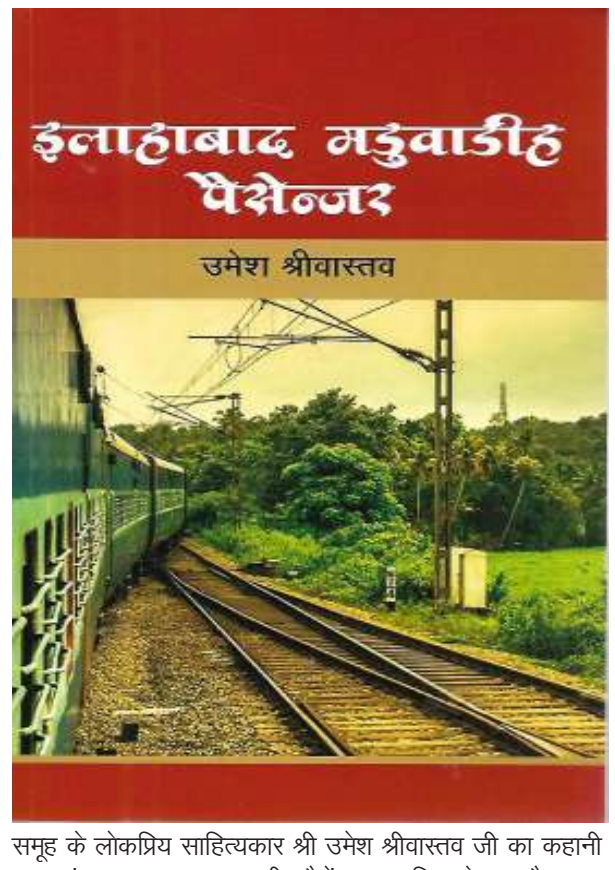

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

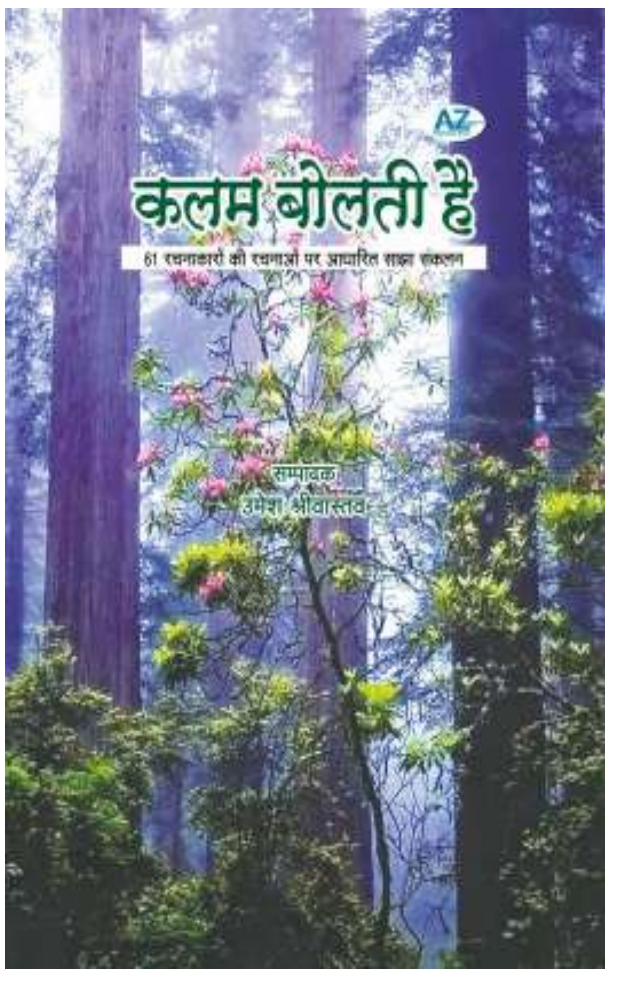

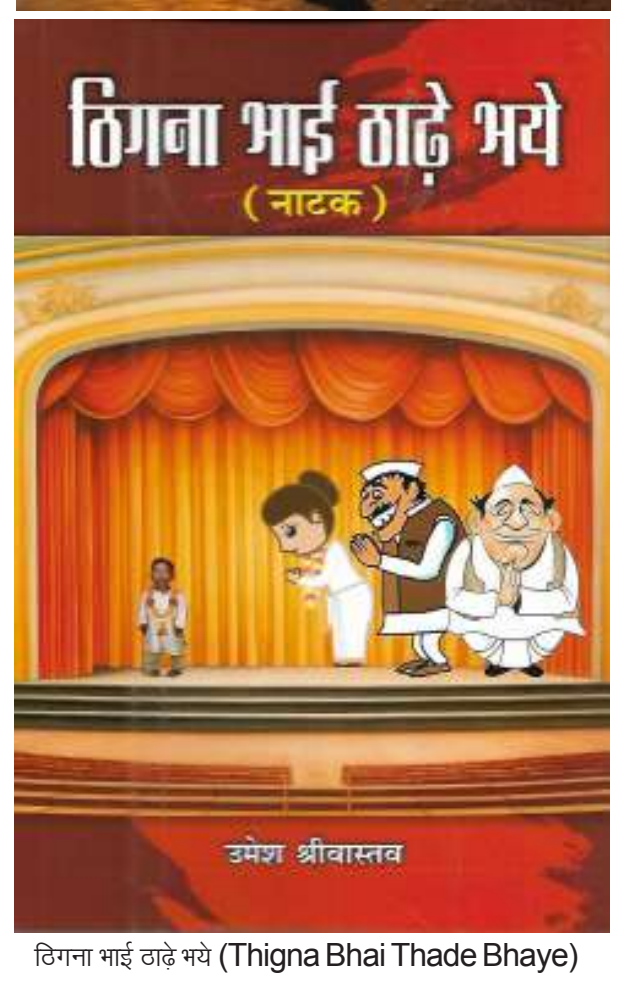

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पीएम बोले- ब्रातिस्लावा में बनारस का कनेक्शन! कलाकारों की सराहना कर कही खास बात

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया की अपनी दो दिनों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। साल 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री

का पहला दौरा था। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, शिक्षा और रोजगार जैसे कई अहम क्षेत्रों में बड़े समझौते हुए। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को अब श्व्यापक साझेदारीश का दर्जा दिया है। अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ राजधानी ब्रातिस्लावा के राष्ट्रपति महल में एक खास प्रदर्शनी देखी। इस प्रदर्शनी का मुख्य केंद्र भारत का प्राचीन और पवित्र शहर वाराणसी (बनारस) था। इसमें उन स्लोवाकियाई कलाकारों की कलाकृतियां शामिल थीं, जिन्होंने हाल ही में वाराणसी की यात्रा की थी। कलाकारों ने अपनी कला के जरिए बनारस की खूबसूरती और वहां की संस्कृति को कैनवास पर उतारा था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए इसे श्ब्रातिस्लावा में बनारस का जुड़ावश बताया। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा श्ब्रातिस्लावा में बनारस से जुड़ाव! कल ब्रातिस्लावा के राष्ट्रपति भवन में, राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और मैंने वाराणसी पर केंद्रित एक आकर्षक प्रदर्शनी देखी, जिसमें उन स्लोवाक कलाकारों की कृतियां शामिल थीं जिन्होंने हाल ही में वाराणसी का दौरा किया था। कला और संस्कृति में लोगों को करीब लाने की अद्भुत क्षमता होती है। इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी कलाकारों को मेरी हार्दिक बधाई। यह प्रदर्शनी दिखाती है कि भारत और स्लोवाकिया के बीच केवल राजनीतिक और व्यापारिक रिश्ते ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव भी गहरा हो रहा है। स्लोवाकिया के कलाकारों ने अपनी कला के जरिए बनारस की विरासत को यूरोप में पेश किया। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी को स्लोवाकिया के सर्वोच्च राजकीय सम्मान से भी नवाजा गया, जो दोनों देशों की बढ़ती दोस्ती का प्रतीक है।

पश्चिम एशिया: परमाणु मुद्दे से बड़ी है जंग रोकने की अग्निपरीक्षा, निर्णायक होगी 60 दिन की अवधि

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का जो ढांचा तय हुआ है, उसको पश्चिम एशिया में स्थायी शांति बहाली की कसौटी पर परखने के लिए

60 दिन की अवधि तय की गई है। यहां तक पहुंचने के लिए अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर अपने रुख को काफी नरम किया है। ईरान पर समझौते के लिए सबसे पहले परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करने की शर्त नहीं थोपी गई है। बल्कि बातचीत के लिए उसे पूरा समय दिया। जाहिर तौर पर पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट बीच ईरान का परमाणु कार्यक्रम एक बड़ा मुद्दा रहा है। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि समझौते से पुख्ता समाधान तक पहुंचने के लिए तय की गई 60 दिन की अवधि परमाणु मुद्दे से कहीं ज्यादा जंग को स्थायी रूप से रोकने की अग्निपरीक्षा है। अगले दो महीनों में तय होगा कि अमेरिका और ईरान के बीच परस्पर भरोसा कितना मजबूत होता है। समझौता मानने से इन्कार कर चुका इस्राइल आगे क्या रुख अपनाता है। बम, ड्रोन और मिसाइलों के इस्तेमाल में कितना संयम बरता जाता है, और समझौते की शर्तों का कितनी शिद्दत से पालन किया जाता है, क्योंकि यही पश्चिम एशिया में शांति की राह तय करने में निर्णायक साबित होगा। परमाणु मुद्दे पर ईरान का पलड़ा भारीरू यह बात काफी हद तक साफ हो चुकी है कि अमेरिका–इस्राइल युद्ध अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहा। इसके विपरीत, ईरान अभूतपूर्व भू–राजनीतिक फायदा उठाने में सफल रहा। परमाणु वार्ता पर उसकी स्थिति मजबूत हुई है। यह समझौता परमाणु मुद्दे को युद्ध से पहले (27 फरवरी की स्थिति) की स्थिति पर छोड़ देता है। युद्ध से पहले अमेरिका के पास ईरान पर दबाव बनाने के दो मुख्य साधन थे। कड़े आर्थिक प्रतिबंध, जिन्होंने ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग–थलग कर दिया था और परमाणु ठिकानों को नेस्तनाबूद करना। जून 2025 में ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान नातंज, इस्फहान और फोर्डो में ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान पहुंचाना इसका प्रमाण है। ईरान ने इस पूरी जंग के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण के जरिये अमेरिका के दबाव को काफी कम कर दिया। उसने अमेरिकी सहयोगियों के सैन्य और ऊर्जा ठिकानों को जमकर नुकसान पहुंचाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

`पाकिस्तान भरोसे लायक नहीं, तीन बार यूएस को दे चुका धोखा', अमेरिकी विशेषज्ञ ने फासीवादी इटली से की तुलना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विश्लेषक माइकल रुबिन ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी कूटनीतिक प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा है कि ईरान संकट के समाधान के लिए पाकिस्तान पर भरोसा करना, ऐसा ही है जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की समस्या सुलझाने के लिए फासीवादी इटली पर निर्भर रहना। फासीवादी इटली से की पाकिस्तान की तुलना अमेरिका के मिडिल ईस्ट फोरम में नीति विश्लेषण निदेशक माइकल रुबिन ने भारतीय न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि पाकिस्तान को भरोसेमंद मध्यस्थ नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसने अतीत में कई बार अमेरिका के हितों को नुकसान पहुंचाया है। रुबिन ने कहा, श्डोनाल्ड ट्रंप न केवल बातचीत की मेज पर ईरान के सामने कमजोर साबित हुए, बल्कि उन्होंने मध्यस्थों के चयन में भी गलती की है। कतर और खासकर पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाना गंभीर भूल है। ईरान समस्या के समाधान के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे फ्रैंकलिन रूजवेल्ट द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी से निपटने के लिए फासीवादी इटली पर भरोसा करते थे। अमेरिका को कई बार धोखा दे चुका पाकिस्तान रुबिन ने कहा कि किसी भी विवाद में ऐसा मध्यस्थ नहीं चुना जाना चाहिए जो आपकी हार चाहता हो, लेकिन अमेरिका बार–बार वही गलती दोहरा रहा है। पाकिस्तान ने तालिबान को समर्थन देकर और अल–कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को अपने क्षेत्र में शरण देकर अमेरिका के भरोसे को कई बार तोड़ा है। उन्होंने कहा, श्पाकिस्तान ने तालिबान के मामले में अमेरिका को धोखा दिया। ओसामा बिन लादेन को पनाह देकर भी उसने अमेरिका के साथ विश्वासघात किया। अब वह फिर वही कर रहा है। यह विडंबना है कि पाकिस्तान इस पूरी स्थिति में फायदे में है। पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक ए.क्यू. खान ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शुरुआती आधार देने में भूमिका निभाई थी। ईरान के साथ अंतिम समझौता नहीं होने देगा पाकिस्तान रुबिन ने दावा किया कि पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए भी पर्दे के पीछे ऐसा माहौल बनाए रखेगा,

जिससे कोई स्थायी समझौता न हो सके और क्षेत्र में अस्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा, श्यह समझना जरूरी है कि पाकिस्तान भले ही मध्यस्थ के रूप में सामने हो, लेकिन वह यह सुनिश्चित करेगा कि अंतिम समझौता कभी न हो।

वह ऐसे हालात बनाए रखना चाहेगा, जहां लगातार तनाव और अराजकता बनी रहे। वह एक साथ आग लगाने वाले और आग बुझाने वाले दोनों की भूमिका निभाकर दोनों तरफ से फायदा उठाना चाहता है।श रुबिन की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते पर इस सप्ताह जिनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर होने की संभावना जताई जा रही है।

समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली, विशेषज्ञ बोले- उल्टा यूएस को नुकसान ही उठाना पड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली हैं और अमेरिका अपने कोई भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता केवल युद्ध की पूर्व यथास्थिति की बहाली है। अगले 60 दिनों में होने वाली बातचीत तय करेगी कि अमेरिका को इस युद्ध और तबाही से कुछ हासिल होगा भी या नहीं। यह बात सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के पश्चिम एशिया प्रोग्राम के वरिष्ठ फेलो विल टॉडमैन ने कही। टॉडमैन के अनुसार, इस समझौते का मुख्य उद्देश्य युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना है, जिससे स्थिति अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमले से पहले जैसी ही होगी। उन्होंने कहा, श्इस समय तक अमेरिका, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध शुरू करते समय तय किए गए किसी भी प्रमुख लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। अमेरिका और ईरान रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर सहमत हुए। इस कदम से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक के जरिए तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति फिर शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ईरान ने संकेत दिया है कि औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के बाद ही समझौते को लागू किया जाएगा। औपचारिक समारोह शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में आयोजित होगा। समझौते में ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार और उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े लंबित मुद्दों पर बातचीत के लिए 60 दिनों की समय–सीमा भी तय की गई है। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिनों की बातचीत यह तय करेगी कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में अमेरिका अपने लक्ष्यों को हासिल कर पाता है या नहीं। टॉडमैन का मानना है कि ईरान परमाणु मुद्दों पर बड़े समझौते करने को तैयार नहीं होगा और उसे लगता है कि समय उसके पक्ष में है। उन्होंने कहा, श्ईरान संभवतः वार्ताओं को लंबा खींचने की कोशिश करेगा क्योंकि उसे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप मध्यावधि चुनावों से पहले फिर से सैन्य कार्रवाई करेंगे। ऐसे में अमेरिका के लिए अपने उद्देश्यों को हासिल करना कठिन होगा।श टॉडमैन के मुताबिक समझौते के बाद ईरान के पश्चिम एशिया में और अधिक आर्थिक रूप से एकीकृत होने की संभावना है। अरब खाड़ी देश तेहरान के साथ आर्थिक परस्पर निर्भरता बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं ताकि भविष्य में किसी संभावित हमले को रोका जा सके। अमेरिका को उठाना पड़ा भारी रणनीतिक नुकसान विशेषज्ञ के अनुसार तीन महीने से अधिक चले युद्ध ने अमेरिका के अपने प्रमुख क्षेत्रीय साझेदारों और सहयोगियों के साथ संबंधों को भी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अरब खाड़ी देशों को महसूस हुआ कि अमेरिका ने युद्ध से पहले और उसके दौरान उनकी चिंताओं और हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। इसी कारण ये देश अपनी सुरक्षा साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम की जा सके। टॉडमैन ने कहा, श्यह संभावना कम है कि राष्ट्रपति ट्रंप या भविष्य का कोई अमेरिकी प्रशासन इस भरोसे की कमी को दूर करने के लिए पर्याप्त राजनीतिक पूंजी खर्च करेगा। ऐसे में अमेरिका और अरब खाड़ी देशों के संबंध धीरे–धीरे कमजोर हो सकते हैं।श उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों के बीच भी दूरी बढ़ा दी है, क्योंकि अधिकांश पश्चिमी देशों ने युद्ध का समर्थन नहीं किया था। टॉडमैन के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक रूप से नाटो की आलोचना कर चुके हैं कि उसने युद्ध में अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह विवाद ट्रांस–अटलांटिक संबंधों को और कमजोर करने वाला एक नया कारण बन गया है। अमेरिका–इस्राइल के संबंधों में भी उभरे मतभेद उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और इस्राइल के हितों के बीच अभूतपूर्व मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। इस्राइली सरकार को आशंका है कि यह समझौता उसकी सुरक्षा के लिए ईरान से उत्पन्न खतरे को पूरी तरह खत्म नहीं करता और भविष्य में उस खतरे के खिलाफ कार्रवाई की उसकी क्षमता को भी सीमित कर सकता है।

नेतन्याहू की धमकी: 'ईरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे, चाहे शांति समझौता हो या नहीं

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे, चाहे शांति समझौता हो या नहीं। उनका यह बयान तब आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए

अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौते पर सहमति बनी है। नेतन्याहू ने कहा कि उनका पूरा राजनीतिक जीवन ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लक्ष्य पर केंद्रित रहा है। उन्होंने इसे अपने जीवनभर की जिम्मेदारी बताया। उन्होंने साफ कहा कि जब तक वह प्रधानमंत्री हैं, ईरान को परमाणु हथियार नहीं हासिल करने देंगे। उधर, अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भविष्य की बातचीत और सहयोग का ढांचा तय किया गया है। इस ढांचे में ईरान के सहयोग के आधार पर उस पर लगे प्रतिबंधों में राहत और आर्थिक संबंध बढ़ाने की संभावना है, खासकर अगर वह परमाणु शर्तों और क्षेत्रीय सुरक्षा नियमों का पालन करेगा। अमेरिका का कहना है कि यह समझौता ईरान को अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था से जोड़ने का रास्ता खोल सकता है, अगर वह अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक श्बहुत मजबूत दस्तावेजश बताया है। उन्होंने कहा है कि इसका पूरा विवरण जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पुष्टि की है कि डिजिटल हस्ताक्षर पहले ही हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों में राहत तभी मिलेगी, जब ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करेगा और आवश्यक सत्यापन व्यवस्था (परमाणु हथियारों की जांच) को स्वीकार करेगा। स्विट्जरलैंड और अन्य देश इस समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की तैयारी में जुटे हैं, जो इस सप्ताह जिनेवा में होने की संभावना है।

ट्रंप बोले- ईरान को 300 मिलियन डॉलर भुगतान का दावा फर्जी, परमाणु हथियार पर भी दोहराया US का रुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि ईरान सहमत हो गया है कि वह अब कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप

ने ईरान के साथ एक नए समझौते (डवन) पर हस्ताक्षर किए हैं। ट्रंप ने उन खबरों को पूरी तरह गलत बताया जिनमें कहा गया था कि अमेरिका इस शांति समझौते के बदले ईरान को 300 मिलियन डॉलर देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा श्ईरान ने परमाणु हथियार न रखने पर सहमति जताई है! साथ ही, यह खबर कि अमेरिका ईरान को 300 मिलियन डॉलर दे रहा है, फर्जी खबर है, जिसे डेमोक्रेट्स ने फैलाया हैश ट्रंप ने साफ किया कि उनकी सरकार ने यह पक्का कर लिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर पाए। यह नया समझौता भविष्य के रिश्तों के लिए एक रास्ता तैयार करता है। इसके तहत ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना इस बात पर निर्भर करेगा कि वह परमाणु जांच में कितना सहयोग करता है। साथ ही ईरान को क्षेत्रीय सुरक्षा के वादे भी पूरे करने होंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ट्रंप के इस कदम का समर्थन किया। वेंस ने कहा कि ट्रंप की शांति की कोशिशें सफल रही हैं। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु ताकत बनने से रोकना ही इस समझौते का सबसे बड़ा लक्ष्य है। वेंस ने बताया कि प्रतिबंधों में छूट तभी मिलेगी जब ईरान अपने यूरेनियम भंडार को खत्म करेगा और कड़ी जांच के लिए तैयार होगा। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता ईरान के व्यवहार पर टिका है। अगर ईरान परमाणु ठिकानों की जांच करने देता है और कट्टरपंथ को बढ़ावा देना बंद करता है, तभी उसे दुनिया की अर्थव्यवस्था में शामिल किया जाएगा। यह समझौता इस हफ्ते के अंत में जिनेवा में आधिकारिक तौर पर साइन होगा। इस पूरी प्रक्रिया में स्विट्जरलैंड, पाकिस्तान और कतर भी सहयोग कर रहे हैं। ट्रंप ने इस दस्तावेज को बहुत प्रभावशाली बताया है। साइन होने के बाद इसे जनता के लिए जारी कर दिया जाएगा। वहीं इस सबके बीच इस्रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि समझौता हो या न हो, वे ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। नेतन्याहू ने स्वीकार किया कि ट्रंप और उनके बीच हमेशा हर बात पर सहमति नहीं होती। उन्होंने कहा, कई बार हम एक जैसा सोचते हैं, लेकिन कई बार हमारी राय अलग होती है। नेतन्याहू ने कहा है कि वे देश की सुरक्षा के लिए अमेरिका के सामने मजबूती से अपनी बात रखना जानते हैं। हालांकि, जब नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या वे ईरान पर अकेले हमला करने या लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने का फैसला लेंगे, तो उन्होंने इस बात का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

स्विट्जरलैंड में ईरान से शांति समझौते पर वेंस करेंगे हस्ताक्षर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में ईरान के साथ होने वाले शांति समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ट्रंप और वेंस दोनों ने ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ के साथ इस मसौदे समझौते पर डिजिटल हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से दी गई है। फ्रांस में सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वेंस इस हस्ताक्षर समारोह में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह स्वयं इसमें शामिल हो सकते हैं या नहीं भी। ट्रंप ने यह भी बताया कि समझौता ज्ञापन का पूरा पाठ जल्द ही जारी किया जाएगा, संभवतः शुक्रवार के बाद किसी समय। उधर, मीडिया इंटरव्यू में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि शांति समझौते पर रविवार को ही डिजिटल हस्ताक्षर हो चुके हैं और इसका पूरा विवरण इस सप्ताह के अंत तक सार्वजनिक किए जाने की संभावना है। वेंस ने एबीसी न्यूज के कार्यक्रम श्गुड मॉर्निंग अमेरिकाश में कहा, श्हमने यह समझौता कल (रविवार) डिजिटल रूप से पहले ही हस्ताक्षर कर दिया है।

अमेरिका का बी–52 बॉम्बर उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ क्रैश, हादसे में आठ लोगों की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित मोजावे रेगिस्तान में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर बी–52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद वह दुर्घटना का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी एपी ने वायु सेना के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया के एक सैन्य अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए बी–52 बमवर्षक विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि विमान सुबह करीब 11रू20 बजे एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर कहा, "प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि इस दुर्घटना में जीवित बचना संभव नहीं था।"

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।